पटना ●गुरुवार , 17 अप्रैल 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 6 , अंकः99 www. bordernewsmirror@gmail.com ☎ 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

बॉर्डर न्यूज मिरर

राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

RNI N.- BIHBIL/2022/88070

"खबरों से समझौता नहीं"

रोगी हितधारक मंच लोगों क़ो टीबी... 3 www. bordernewsmirror.com मास जतारा का गाना तू मेरा... 7

जस्टिस बीआर गवई होंगे देश के अगले चीफ जस्टिस

● 14 मई से संभालेंगे सुप्रीम कोर्ट का काम,संजीव खन्ना ने की सिफारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने अपने उत्तराधिकारी के रूप में जस्टिस बीआर गवई के नाम की आधिकारिक सिफारिश की है। उनके नाम को मंजूरी के लिए केंद्रीय कानून मंत्रालय को भेज दिया गया है। इसके साथ ही जस्टिस भूषण रामकृष्ण गवई के भारत के 52वें मुख्य न्यायाधीश बनना तय हो गया है।

परंपरा है कि मौजूदा सीजेआई अपने उत्तराधिकारी के नाम की सिफारिश तभी करते हैं, जब उन्हें कानून मंत्रालय से ऐसा करने का आग्रह किया जाता है। मौजूदा सीजेआई संजीव खन्ना का कार्यकाल 13 मई को खत्म हो रहा है। सीजेआई खन्ना के बाद वरिष्ठता सूची में जस्टिस गवई का नाम है। इसलिए जस्टिस खन्ना ने उनका नाम आगे बढ़ाया है। हालांकि, उनका कार्यकाल सिर्फ 7 महीने का होगा। सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर दिए प्रोफाइल के मुताबिक जस्टिस गवई 24 मई 2019 को सुप्रीम कोर्ट जज के रूप में प्रमोट हुए थे। उनके रिटायरमेंट की तारीख 23 नवंबर 2025 है। जस्टिस गवई लगभग छह महीने तक भारत के चीफ जस्टिस रहेंगे। जस्टिस गवई नवंबर में रिटायर्ड होने वाले हैं। जस्टिस केजी बालकृष्णन के बाद वे चीफ जस्टिस का पद संभालने वाले दूसरे दलित होंगे, जिन्हें 2007 में देश के शीर्ष न्यायिक पद पर प्रोमोट किया गया था। जस्टिस गवई राज्य में हाई कोर्ट के पूर्व महाधिवक्ता और जस्टिस बैरिस्टर राजा भोंसले के साथ काम किया। इसके बाद उन्होंने 1987 से 1990 तक बॉम्बे हाई कोर्ट में स्वतंत्र रूप से प्रैक्टिस की। उसके बाद, उन्होंने मुख्य रूप से संवैधानिक कानून और प्रशासनिक कानून से संबंधित मामलों में बॉम्बे हाई कोर्ट की नागपुर बेंच के समक्ष प्रैक्टिस की। जस्टिस गवई अगस्त 1992 में उन्हें बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर पीठ में सहायक सरकारी वकील और अतिरिक्त लोक अभियोजक नियुक्त किया गया। 2000 में उन्हें नागपुर पीठ के लिए सरकारी वकील और लोक अभियोजक नामित किया गया। जस्टिस गवई 2003 में हाई कोर्ट के अतिरिक्त न्यायाधीश और 2005 में स्थायी न्यायाधीश बने।

यमुना सफाई परियोजना पर खर्च होंगे 3140 करोड़

● सीएम रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में होगी पहली अहम बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में यमुना की सफाई को लेकर दिल्ली सरकार पूरी तरह से एक्शन मोड है। दिल्ली सरकार ने अब इसको लेकर अपनी कवायद और तेज कर दी है। यमुना सफाई से जुड़े पूरे प्रोजेक्ट पर सरकार 3140 करोड़ रुपए की भारी भरकम राशि खर्च करेगी। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, व्यय वित्त समिति (ईएफसी) के एजेंडे में 27 केंद्रीयकृत सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (डीएसटीपी), टर्मिनल सीवेज पंपिंग स्टेशन (एसपीएस) का निर्माण

करने के अलावा दिल्ली गेट पर 10 एमजीडी क्षमता का एक अलग से सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) भी तैयार किया जाना शामिल है। इस पूरे प्रोजेक्ट के संबंधित कार्यों और 10-12 साल के संचालन और रखरखाव आदि को भी शामिल किया गया है। केंद्रीकृत सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के अंतर्गत सीवर लाइन उपलब्ध कराना और बिछाना, घरों में सीवर कनेक्शन मुहैया करना आदि भी प्रमुख रूप से शामिल किया गया हैं।

चीन को तगड़ा झटका, अब लगेगा 245 फीसदी टैरिफ

● ड्रैगन पर और सख्त हो गए डोनाल्ड ट्रंप,वजह भी बताई

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका ने चीनी सामान के आयात पर 245 पर्सेंट के टैरिफ का ऐलान किया है। अब तक यह 145 फीसदी लग रहा था, लेकिन जब चीन ने भी जवाबी ऐक्शन लेते हुए चीनी आयात पर टैरिफ 125 फीसदी तक कर दिया तो अमेरिका ने भी इसमें इजाफा किया है। वाइट हाउस की ओर से मंगलवार देर रात यह जानकारी दी गई है कि चीनी सामान के आयात पर अब 245 फीसदी का टैरिफ लगेगा। अब तक चीन पर 145 पर्सेंट का टैरिफ लगाया जा

रहा था, लेकिन मंगलवार को इसमें एक साथ 100 पर्सेंट का इजाफा कर दिया गया। अमेरिका की ओर से यह फैसला बेहद सख्त है, जबकि उसने भारत समेत तमाम देशों पर लगाए टैरिफ को 90 दिनों के लिए रोक लिया है। माना जा रहा है कि इस अवधि में अमेरिका के साथ अन्य देश ट्रेड डील कर सकते हैं। भारत और अमेरिका के बीच तो बैकचैनल से ट्रेड डील पर मंथन भी शुरू हो गया है। चर्चा है कि इसके लिए मई से मीटिंग्स का दौर भी शुरू हो सकता है। चीन को लेकर अमेरिका का रुख है कि वह टैरिफ का जवाब टैरिफ से दे रहा है, जबकि उसे अपनी गलती माननी चाहिए।

राहुल-तेजस्वी की सीक्रेट गॉसिप का खुल गया राज

● नीतिश के सामने सीएम चेहरा कौन पर सस्पेंस फुल ऑन

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजनीति में कांग्रेस और राजद के बीच कभी कोई एक कदम आगे तो कभी कोई। तेवर में भी कभी राजद की तरफ से तनाव तो कभी कांग्रेस का दम घुटने लगता। इस रास्ते पर बयानों के ढेर लग गए। अब उन बयानों की दुनिया पर क्या कुछ गढ़ा गया यह तो महागठबंधन के शीर्ष नेता जानते होंगे पर मंगलवार को दिल्ली में हुई गठबंधन की बैठक में ऐसा कोई निर्णय नहीं हुआ जिसे कांग्रेस या फिर राजद ही प्रेस ब्रीफिंग में बता सके। यानी बैठक किसी निष्कर्ष के समाप्त हो गई। आगामी विधान सभा चुनाव को ले कर

राजद और कांग्रेस में होड की शुरुआत तो उसी दिन शुरू हो गई जब नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने साफ कहा कि इंडिया गठबंधन लोकसभा के लिए था। बिहार विधान सभा के चुनाव के लिए नई प्रक्रिया के तहत बात होगी। उन्होंने यह बयान 8 जनवरी को दिया जब पत्रकारों ने उनसे पूछा कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच तकरार बढ़ती जा रही है, दोनों दल इंडिया गठबंधन में शामिल है। इसके जवाब में उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन सिर्फ लोकसभा चुनाव तक के लिए था।

पशुओं को भागते देख विचलित हो गए 'सुप्रीम' कोर्ट के जस्टिस

● हैदराबाद में 400 एकड़ में पेड़ कटाई पर जमकर भड़के ● यहां पर पूर्व की स्थिति को बहाल करना होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। हैदराबाद यूनिवर्सिटी परिसर के पास स्थित 400 एकड़ भूमि से पेड़ों को काटने पर सुप्रीम कोर्ट ने भी चिंता जताई है। शीर्ष अदालत ने बुधवार को सुनवाई करते हुए कहा कि यहां पर पूर्व की स्थिति को बहाल करना होगा। यह इलाका जंगल जैसा है और इसे हैदराबाद का फेफड़ा कहा जाता है। पिछले दिनों यहां औद्योगिक क्षेत्र बसाने के लिए पेड़ों की कटाई शुरू की गई थी, जिसके विरोध में लोग उतर आए थे। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर शेयर हुआ था, जिसमें जंगल के कटने से पशु और पक्षी भाग रहे थे। यह मार्मिक वीडियो देखकर हर कोई परेशान था और मांग की जा रही थी कि सुप्रीम कोर्ट में भी अर्जी दाखिल हुई तो अदालत ने पुरानी स्थिति ही बहाल करने का आदेश दिया।

पर्यावरण का संरक्षण करना चाहिए। ऐसे पेड़ों को खत्म नहीं करना चाहिए। इसी मामले में उच्चतम न्यायालय ने तेलंगाना सरकार से कहा कि आपको 100 एकड़ जमीन पर पूर्व की स्थिति बहाल करने के लिए योजना बनानी होगी। बेंच ने पेड़ों की कटाई में तेलंगाना सरकार की 'जल्दबाजी' पर सवाल उठाए। कोर्ट ने कहा कि पर्यावरण को जो नुकसान पहुंचाया गया है हम उससे चिंतित हैं। बेंच ने कहा कि वीडियो में पशुओं को आश्रय की तलाश में भागते हुए देखकर स्तब्ध हैं। न्यायालय ने तेलंगाना से कहा, आप देखिए कि जंगली जानवरों की सुरक्षा कैसे की जाएगी। कोर्ट ने तेलंगाना के वन्यजीव वार्डन को वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए तत्काल कदम उठाने का निर्देश दिया।

● मुर्शिदाबाद दंगा में भाजपा-बीएसएफ की मिलीभगत

इमामों के सम्मेलन में गरजीं बंगाल की मुख्यमंत्री ममता

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने वक्फ ऐक्ट को लेकर इमामों के साथ एक बैठक के दौरान भाजपा नेताओं पर जमकर बोला। उनके निशाने पर उत्तर प्रदेश के मुख्यंत्री योगी आदित्यनाथ भी आए। ममता ने यूपी से सीएम पर निशाना साधते हुए कहा कि योगी सबसे बड़ा 'भोगी' है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इससे पहले मंगलवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोला था। उन्होंने वक्फ अधिनियम को लेकर उनके राज्य में हुई हिंसा पर उनकी चुप्पी पर सवाल उठाया। योगी ने कहा था, बंगाल जल रहा है। राज्य की मुख्यमंत्री चुप हैं। वह दंगाइयों को 'शांति का दूत' कहती हैं लेकिन जो लोग केवल बल को समझते हैं, वे शब्दों को नहीं सुनेंगे। उन्होंने कहा,धर्मनिरपेक्षता के नाम पर उन्होंने दंगाइयों को अशांति फैलाने की पूरी आजादी दे दी है। पूरा मुर्शिदाबाद पिछले एक हफ्ते से जल रहा है, फिर भी सरकार चुप है। इस तरह की अराजकता को नियंत्रित किया जाना चाहिए। ममता बनर्जी ने इस दौरान नए वक्फ बिल को अत्याचारी कानून करार दिया और प्रधानमंत्री मोदी से अपील भी की। उन्होंने कहा,मैं प्रधानमंत्री मोदी से अपील करती हूं कि वे किसी भी 'अत्याचारी कानून' को अनुमति न दें।

ऐसे तो वक्फ बोर्ड पर कब्जा हो जाएगा मीलॉर्ड

● कलेक्टर की पावर,हिंदुओं की एंट्री पर बरसे कपिल सिब्बल ● कहा-वक्फ पर हिंदुओ की एंट्री आर्टिकल 26 का उल्लंघन

नई दिल्ली (एजेंसी)। वक्फ संशोधन अधिनियम के खिलाफ दायर 70 से अधिक याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है। मुस्लिम पक्ष की ओर से दलीलें देते हुए कपिल सिब्बल ने ऐक्ट पर सवाल उठाए हैं और कहा कि वक्फ बोर्ड में हिंदुओं की एंट्री कर दी गई है, यह संविधान के आर्टिकल 26 का उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि आर्टिकल 26 धार्मिक संस्थानों के संचालन की स्वायत्तता देता है। अब नया वक्फ ऐक्ट उस स्वायत्तता को छीनने वाला है। कपिल सिब्बल ने कहा कि अब तक वक्फ काउंसिल और बोर्ड के मेंबर मुसलमान ही होते थे, लेकिन अब हिंदुओं को भी इनमें एंट्री होगी। इस पर चीफ जस्टिस ने कहा कि आपकी दिक्कत क्या है। कपिल सिब्बल ने कहा कि यह तो संसद में बनाए कानून के जरिए मूलभूत अधिकार छीनने जैसा है। चीफ जस्टिस ने यह भी कहा कि कुल 2 पदेन सदस्य ही गैर-मुसलमान हो सकते हैं। इस पर कपिल सिब्बल ने कहा, नहीं-नहीं, ऐसा नहीं है। यह कहा गया है कि न्यूनतम गैर-मुस्लिम पदेन सदस्यों की संख्या 2 रहेगी। आर्टिकल 26 के अनुसार सभी सदस्य मुसलमान ही होने चाहिए, लेकिन अब नए ऐक्ट के अनुसार 22 में से 10 ही मुसलमान होंगे। यही नहीं कपिल सिब्बल ने कहा कि यह तो एक तरह से सदस्यों को मनोनीत करके वक्फ बोर्ड पर ही कब्जा जमाने जैसा होगा। उन्होंने 1995 के वक्फ ऐक्ट का हवाला दिया और कहा कि तब

तय हुआ था कि बोर्ड के सारे सदस्य मुस्लिम ही होंगे। यही नहीं कपिल सिब्बल ने वक्फ बोर्ड को लेकर कलेक्टर की पावर पर भी सवाल उठाए। कपिल सिब्बल ने कहा,कलेक्टर को यह ताकत दी गई है कि वह तय करें कि कोई संपत्ति वक्फ की है या नहीं। यदि कोई विवाद हुआ तो यह शख्स सरकार का प्रतिनिधि होगा। इसके अलावा मामले में यही व्यक्ति जज की भूमिका भी अदा करेगा।

● 300 साल पुरानी संपत्ति की भी मांगेंगे वक्फ डीड, कहां से लाएंगे- सीनियर वकील ने यह भी कहा कि नया ऐक्ट कहते हैं कि किसी संपत्ति को वक्फ तभी माना जाएगा, जब उसकी वक्फ डीड हो। इस पर चीफ जस्टिस ने कहा कि परेशानी क्या है। सिब्बल ने कहा कि वक्फ बाई यूजर की अवधारणा है। मान लीजिए कि मेरे पास संपत्ति है और मेरे कोई संतान नहीं है। फिर मुझे रजिस्ट्रेशन कराने की क्या जरूरत है। इस पर चीफ जस्टिस ने कहा कि रजिस्ट्रेशन से तो हेल्प ही मिलेगी। इस पर कपिल सिब्बल ने कहा कि वक्फ बाई यूजर तो अब खत्म कर दिया गया है। अयोध्या के फैसले से यह पता चलता है। इस पर जस्टिस विश्वनाथन ने कहा कि फर्जी दावों को रोकने के लिए वक्फ डीड की बात कही गई है। इस पर सिब्बल ने कहा कि यह इतना आसान नहीं है। वक्फ की संपत्तियां सैकड़ों साल पुरानी हैं।

हथियार खरीदने के लिए गरीब देशों को अब लोन देगा भारत

● डिफेंस एक्सपोर्ट में इजाफे के लिए भारत की नई है स्ट्रैटजी ● हथियार बेचने के लिए अपना रहा चीन-फ्रांस वाली पॉलिसी

रियो डी जेनेरो (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत को ग्लोबल फैक्ट्री फ्लोर में बदलने के लिए काम कर रहे हैं। इस मिशन के तहत भारत में अरबों डॉलर के कम कीमत वाले आईफोन और फार्मास्युटिकल्स प्रोडक्ट्स का निर्माण किया गया। समाचार एजेंसी रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक अब भारत ने गरीब देशों को हथियार खरीदने के लिए कर्ज देने की नीति तैयार की है। इसके तहत भारत सरकार गरीब देशों को मिसाइल, हेलीकॉप्टर और युद्धपोत खरीदने के लिए कर्ज देगी। रिपोर्ट के मुताबिक, यूक्रेन के बाद दुनिया में सबसे ज्यादा हथियार खरीदने वाला देश भार, अब सरकार स्वामित्व वाले एक्सपोर्ट-इम्पोर्ट बैंक की क्षमता का विस्तार कर रहा है। इसके जरिए गरीब देशों को दीर्घकालिक, कम लागत वाले ऋण बांटे जाएंगे। इनमें वैसे देश भी शामिल होंगे, जिनकी राजनीतिक या क्रेडिट जोखिम प्रोफाइल कमजोर है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने दो भारतीय अधिकारियों और तीन इंडस्ट्री के सूत्रों के हवाले से ये रिपोर्ट दी है। इसके अलावा भारत के चार अधिकारियों ने रॉयटर्स को बताया है कि नई दिल्ली ने विदेशों मिशनों में रक्षा अताशे की संख्या में भी तेजी से इजाफा करने का फैसला लिया है। ये भारत सरकार के उस कार्यक्रम का हिस्सा होगा, जिसके तहत सरकार कुछ हथियारों के सौदों पर सीधे बातचीत करेगी। दो अधिकारियों ने बताया है कि भारत, खास तौर पर उन सरकारों को निशाना बना रहा है, जो हथियारों के लिए लंबे समय से रूस पर निर्भर रहे हैं।

कांग्रेस के लिए मुसीबत न बन जाए जाति जनगणना

● 2 जातियों ने सिद्धारमैया सरकार के खिलाफ खोला मोर्चा

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में दो प्रभावशाली समुदाय लिंगायत और वोक्कालिगा राज्य की सिद्धारमैया सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलने की तैयारी में हैं। सरकार द्वारा विवादास्पद जातिगत जनगणना रिपोर्ट को मंत्रिमंडल के समक्ष रखने के फैसले से दोनों समुदायों में गहरी नाराजगी है। वे इसे अपने राजनीतिक प्रभाव के लिए खतरा मान रहे हैं। सत्तारूढ़ कांग्रेस के भीतर और बाहर से सरकार पर दबाव बढ़ता जा रहा है। खासकर खुद कांग्रेस के विधायकों ने जातिगत सर्वेक्षण की रिपोर्ट पर असहमति जताई है। 17 अप्रैल को होने वाली विशेष कैबिनेट बैठक में इस मुद्दे पर सरकार की स्थिति तय होगी, जिससे विभिन्न समुदायों की आगामी रणनीति प्रभावित हो सकती है। वोक्कालिगा समुदाय से ताल्लुक रखने वाले उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने मंगलवार को अपनी ही पार्टी के वोक्कालिगा विधायकों से मुलाकात की और रिपोर्ट पर उनकी राय जानी। उन्होंने मीडिया से कहा,एक समुदाय के प्रतिनिधि के तौर पर मैं चाहूंगा कि हम मिलकर कैबिनेट बैठक में अपने पक्ष को मजबूती से रखें।

नेशनल हेराल्ड मामला

ईडी की चार्जशीट के खिलाफ अब सड़क पर उतरी कांग्रेस

● बीजेपी ने भी कसी कमर, बोली-जमानत पर हैं सोनिया-राहुल

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेशनल हेराल्ड मामले में जांच एजेंसी ईडी की ओर से अदालत में चार्जशीट दायर किए जाने के बाद कांग्रेस सड़क पर उतर आई है। क्योंकि ईडी की चार्जशीट में कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, लोकसभा में नेता राहुल गांधी, इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम

पित्रोदा, सुमन दुबे सहित कई लोगों के नाम शामिल हैं। बताना होगा कि दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में ईडी की ओर से चार्जशीट दायर की गई है। अदालत इस मामले में 25 अप्रैल को सुनवाई करेगी। 11 अप्रैल को ईडी ने दिल्ली, मुंबई और लखनऊ के संपत्ति रजिस्ट्रारों को नोटिस जारी किए थे, जहां एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) की संपत्तियां हैं। कांग्रेस ने कहा है कि नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी की ओर से दायर की गई चार्जशीट की कार्रवाई पूरी तरह बदले की राजनीति है और मोदी-शाह विपक्षी नेताओं को डराने के लिए कर रहे।

● ईडी का आरोप-2,000 करोड़ की संपत्तियों पर 50 लाख रुपए में कब्जा किया- ईडी का आरोप है कि कांग्रेस नेताओं ने साजिश के तहत एसोसिएटेड जर्नल्स लि. (एजेएल) की 2,000 करोड़ की संपत्तियों पर कब्जे के लिए उसका अधिग्रहण निजी स्वामित्व वाली कंपनी 'यंग इंडियन' के जरिए केवल 50 लाख रु. में कर लिया। इस कंपनी के 76 फीसदी शेयर सोनिया व राहुल के पास हैं। इस मामले में 'अपराध से अर्जित आय' 988 करोड़ रु. की मानी गई। साथ ही संबद्ध संपत्तियों का बाजार मूल्य 5,000 करोड़ रु. बताया गया है। कांग्रेस ने इसे बदले की राजनीति बताया। जयराम रमेश ने लिखा,नेशनल हेराल्ड की संपत्ति जब्त करना कानून के शासन का मुखौटा पहने हुए राज्य प्रायोजित अपराध है। यह सोनिया, राहुल और कुछ अन्य लोगों के खिलाफ है।

बिहार में बंपर भर्ती, 2000 से ज्यादा शिक्षा सेवकों की होगी नियुक्ति, एसीएस एस सिद्धार्थ ने जारी किया आदेश

पटना, एजेंसी। बिहार के विभिन्न जिलों में 2206 रिक्त पदों पर शिक्षा सेवकों (तालीमी मरकज) की नियुक्ति होगी। इनकी चयन प्रक्रिया 30 जून तक पूरी कर ली जाएगी। इसको लेकर शिक्षा विभाग ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश जारी किया है। विभाग ने अपने पत्र में लिखा है कि महादलित, दलित, अल्पसंख्यक अतिपिछड़ा वर्ग अक्षर आंचल योजना के तहत जिलों में शिक्षा सेवक कार्यकरत हैं। रिक्त पदों पर शिक्षा सेवकों के चयन की प्रक्रिया पूरी करने के लिए जून, 2024 में ही रिमाइंडर दिया गया था।

इसके बाद भी अब-तक चयन प्रक्रिया पूरी नहीं की गई है। इसलिए निर्देश दिया जाता है कि जहां सर्वेक्षण का कार्य पूरा हो गया है, वहां 15 जून तक शिक्षक सेवकों का चयन कर लें। वहीं, जहां सर्वेक्षण का काम अधूरा है, वहां पर 30 जून तक चयन प्रक्रिया पूरी कर लें। इसको लेकर विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ ने जिलाधिकारियों को पत्र लिखा है।

समस्तीपुर से रद्द ट्रेनों का परिचालन शुरू :कई ट्रेन के रूट में हुआ बदलाव

समस्तीपुर, एजेंसी। समस्तीपुर रेलवे प्रशासन की तरफ से कुसम्ही- गोरखपुर कैंट-गोरखपुर जं.- डोमिनगढ़ तीसरी लाइन निर्माण को गोरखपुर जं.- गोरखपुर कैंट के मध्य तीसरी लाइन के प्रावधान और गोरखपुर जं. स्टेशन की यार्ड रिमॉडलिंग के परिप्रेक्ष्य में रद्द की गई ट्रेनों का प्रचलन 16 अप्रैल से फिर से शुरू किया जा रहा है।

दरभंगा से 16 अप्रल से खुलने वाली 15211 दरभंगा-अमृतसर एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग मुजफ्फरपुर-छपरा ग्रामीण- वाराणसी-सुलतानपुर- लखनऊ- रोज़ा के रास्ते चलाई जायेगी।

अमृतसर से 18 अप्रल खुलने वाली 15212 अमृतसर-दरभंगा एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग रोज़ा-लखनऊ-सुलतानपुर- वाराणसी-छपरा ग्रामीण- मुजफ्फरपुर के रास्ते चलाई जायेगी।

रक्सौल से 16 अप्रैल से 03 मई, 2025 तक खुलने वाली 15273 रक्सौल-आनन्द विहार टर्मिनस एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग सगौली-मुजफ्फरपुर-छपरा ग्रामीण-वाराणसी-सुलतानपुर- लखनऊ -रोज़ा के रास्ते चलाई जायेगी।

आनन्द विहार टर्मिनस से 15 अप्रैल से 04 मई तक खुलने वाली 15274 आनन्द विहार टर्मिनस-रक्सौल एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग रोज़ा-लखनऊ- सुलतानपुर-वाराणसी जं-छपरा ग्रामीण-मुजफ्फरपुर-सगौली के रास्ते चलाई जायेगी।

राणा सांगा पर दिए गए विवादित बयान पर राजपूत समाज ने जताया आक्रोश

बक्सर, एजेंसी। राणा सांगा पर दिए गए विवादित बयान पर जिला राजपूत समाज ने मंगलवार को शहर के गोलंबर से आक्रोश मार्च निकाला। आक्रोश मार्च यमुना चौक, सत्यदेवगंज होते हुए वीर कुंवर सिंह चौक पर पहुंच संपन्न हुआ। राजपूत समाज के लोगों ने उनकी आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। आक्रोश मार्च का नेतृत्व जोगेंद्र सिंह एवं संचालन कृष्णा सिंह ने किया। वक्ताओं ने कहा कि संसद के उच्च सदन राज्यसभा में सपा सांसद रामजी लाल सुमन ने हिंदू समाज के आदर्श वीर शिरोमणि राणा सांगा पर अमर्यादित बयान देते हुए उनको

गद्दार एवं उनके वंशजों को गद्दार कहा है। आक्रोश मार्च के माध्यम से राजपूत समाज ने अपना विरोध प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रपति को सपा सांसद रामजी लाल सुमन की राज्य सभा की सदस्यता समाप्त करने व किसी भी महापुरुष पर अमर्यादित बयान और टिप्पणी करने वाले व्यक्ति पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित कराने को मांग पत्र डीएम के माध्यम से सौंपा। उन्होंने कहा कि सांसद मे बैठकर महापुरुषों पर अमर्यादित ब्यान देना देश के लिए शर्म की बात है। जिसे राजपूत समाज कतई बर्दाश्त नहीं करेगी। बक्सर जिला राजपूत समाज ने बक्सर गोलंबर से बाबू वीर कुंवर सिंह चौक तक आक्रोश मार्च निकालकर ऐसे लोगों के प्रति अपना विरोध जताया। आक्रोश मार्च में डॉ एके सिंह, अमरेंद्र, राजेश, संजय सिंह, अनिल सिंह मुखिया, इंदल सिंह, इंद्रजीत बहादुर सिंह, बंसी सिंह, पुनीत सिंह, पिंटू सिंह, राघवेंद्र उज्जैन, विकास सिंह, राहुल सिंह, प्रतिभा सिंह, ओम प्रकाश सिंह, तेजप्रताप सिंह, गणेश सिंह, पप्पू सिंह, दीपक सिंह, आशुतोष सिंह, चंदन सिंह, मोहर सिंह, संतोष सिंह, अरुण सिंह, जितेंद्र सिंह, कृष्ण कुमार सिंह, राज नारायण सिंह, सुधीर सिंह, संजय सिंह राजनेता, विमलेश सिंह, मनोज सिंह, मृत्युंजय सिंह, सुनील सिंह, गोविंद सिंह, अरविंद सिंह, वीर सिंह, अर्जुन सिंह, रविंद्र बहादुर सिंह, सुरेंद्र सिंह, वीर बहादुर सिंह, विजेंद्र सिंह, विनोद कुमार सिंह, कृष्णानंद सिंह समेत जिले और आसपास के इलाकों से सैकड़ों लोग शामिल थे।सभी ने सांसद पर कार्रवाई को लेकर आवाज बुलंद की।

बिहार के 22 जिलों में बारिश-आंधी का यलो अलर्ट:19 अप्रैल तक बदला रहेगा मौसम

पटना, एजेंसी। बिहार में फिलहाल मौसम बदला रहेगा। मौसम विज्ञान केंद्र ने 22 जिलों के लिए यलो अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में हल्की बारिश और आकाशीय बिजली गिरने की आशंका है। इस दौरान इन जिलों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है।

मौसम विभाग के अनुसार, मौसम में आए बदलाव के कारण अधिकतम तापमान में गिरावट आई है। आने वाले 4-5 दिनों तक अधिकतम तापमान 34 से 36 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 22 से 24 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। वहीं, पिछले 48 घंटे में जमुई में सबसे अधिक बारिश दर्ज की गई है। यहां 48.6 एमएम बारिश रिकॉर्ड किया गया। बिहार आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार 2022-23 में राज्य में बिजली और आंधी-तूफान से 400 मौतें हुईं। इस साल तो पिछले एक सप्ताह में ही वज्रपात से 61 लोगों की मौत हो चुकी है। हाल के वर्षों से बिहार के लिए आकाशीय बिजली और आंधी बड़ी चुनौती बनी है।

प्रदेश के पूर्वी हिस्सों में भारी बारिश की संभावना- बिहार में पुरवा हवा चल रही है, जो बंगाल की खाड़ी से नमी लेकर आ रही है। इसका असर प्रदेश के ऊपर पड़ रहा है, जिससे मौसम में बदलाव दिख रहा है। 19 अप्रैल तक आंधी-बारिश के साथ आकाशीय बिजली गिरने की आशंका है।

खासकर, बिहार के पूर्वी हिस्सों में एक-दो जगहों पर भारी बारिश की संभावना है। इस दौरान इन इलाकों में तेज गर्जना के साथ बिजली गिरने और तेज हवा चलने की संभावना है। 50-

60 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है।

19 अप्रैल तक प्रदेश में कैसा रहेगा मौसम- 17 अप्रैल: बिहार के सभी 38 जिले को लेकर अलर्ट जारी हुआ है। इसमें पटना, बक्सर, भोजपुर, कैमूर, रोहतास, औरंगाबाद, अरवल, गया, नवादा, जहानाबाद, नालंदा, शेखपुरा और बेगूसराय में यलो अलर्ट है।

इसके अलावा जमुई, बांका, मुंगेर, भागलपुर, खगड़िया, कटिहार, पूर्णिया, सहरसा, मधेपुरा, किशनगंज, अररिया, सुपौल, समस्तीपुर, वैशाली, दरभंगा, मधुबनी, सारण, मुजफ्फरपुर, शिवहर, सीतामढ़ी, सीवान, गोपालगंज, पूर्वी और पश्चिमी चंपारण में भारी बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

18 अप्रैल: पटना, गोपालगंज, सीवान, सारण, बक्सर, भोजपुर, कैमूर, रोहतास, औरंगाबाद, अरवल, गया, जहानाबाद, नालंदा, नवादा, शेखपुरा, बेगूसराय, पूर्वी और पश्चिमी चंपारण में बारिश को लेकर यलो अलर्ट है।

सीतामढ़ी, शिवहर, मुजफ्फरपुर, वैशाली, समस्तीपुर, दरभंगा, मधुबनी, खगड़िया, सहरसा, मधेपुरा, सुपौल, अररिया, पूर्णिया, कटिहार, किशनगंज, भागलपुर, मुंगेर, बांका और जमुई में भारी बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट है।

19 अप्रैल: 17 जिले में बारिश को लेकर यलो अलर्ट रहेगा, जिसमें किशनगंज, अररिया, सुपौल, मधेपुरा, सहरसा, पूर्णिया, कटिहार, खगड़िया, भागलपुर, मुंगेर, बांका, जमुई, सारण, सीवान, गोपालगंज, पूर्वी और पश्चिमी चंपारण में शामिल हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने भी माना है कि बिहार, ठनका से सर्वाधिक प्रभावित राज्यों में एक है। क्लाइमेट रेजिलेंट ऑब्जर्विंग सिस्टम्स प्रमोशन काउंसिल (सीआरओपीसी) की रिपोर्ट के अनुसार 2020-21 में बिहार में वज्रपात गिरने की करीब 9 लाख घटनाएं दर्ज हुईं तो 2022-23 में यह 13 लाख के पार चला गया। 2024 में भी ऐसा ही सिलसिला रहा।

तेज आंधी-बारिश से क्षतिग्रस्त 500 घरों का मिला आवेदन

नालंदा में बीते दिनों की तबाही के बाद पीड़ितों को 30 लाख मिलेगा मुआवजा

नालंदा, एजेंसी। गत सप्ताह 10 अप्रैल गुरुवार की शाम नालंदा जिले में आई प्रचंड आंधी-बारिश ने व्यापक तबाही मचाई है। इस प्राकृतिक आपदा में 22 लोगों की दुखद मृत्यु हो गई, जबकि सैकड़ों घरों को गंभीर नुकसान पहुंचा है। जिला प्रशासन ने पीड़ित परिवारों को राहत पहुंचाने के लिए त्वरित कार्रवाई की है। आपदा विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, जिलेभर से गृह क्षति के एवज में मुआवजा के लिए कुल 500 आवेदन प्राप्त हुए थे। स्थलीय निरीक्षण और जांच के बाद इनमें से 477 आवेदनों को स्वीकृति दी गई है। प्रभावित परिवारों को आपदा राहत के तहत लगभग 29 लाख 79 हजार रुपए का मुआवजा वितरित किया जाएगा।

आंधी-पानी में जान गंवाने वाले सभी 22 मृतकों के आश्रितों को 4.24 लाख रुपए प्रति व्यक्ति के हिसाब से मुआवजा राशि पहले ही वितरित की जा चुकी है।

सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्र से मिला आवेदन

प्राकृतिक आपदा का सबसे अधिक प्रकोप बिहारशरीफ प्रखंड क्षेत्र में देखा गया। इस क्षेत्र से गृह क्षति के लिए सर्वाधिक 264 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इस क्षेत्र के प्रभावित लोगों को लगभग 12 लाख रुपए का मुआवजा दिया जाएगा। घरों के नुकसान के मामले में गिरियक प्रखंड दूसरे स्थान पर है, जहां 84 घरों को तेज आंधी के कारण हानि पहुंची है। इनमें चार पशुशेड और पांच मुर्गी फार्म भी शामिल हैं। गिरियक के प्रभावित निवासियों को करीब तीन लाख 98 हजार रुपए का मुआवजा मिलेगा। रहुई प्रखंड तीसरे स्थान पर है, जहां 58 घरों को आंधी-बारिश से क्षति हुई है। इसी प्रकार नूरसराय में 38 मकानों को तेज हवा से नुकसान पहुंचा है, जिसमें कई घरों की छतें भी क्षतिग्रस्त हो गईं। अन्य प्रभावित क्षेत्रों में सिलाव और बिंद (छह-छह घर), इस्लामपुर और सरमेरा (पांच-पांच घर), अस्थावां और एकंगरसराय (तीन-तीन घर), परवलपुर, चंडी और करायपरसुराय (एक-एक घर) तथा कतरीसराय में दो घरों को तेज हवा-बारिश से क्षति पहुंची है।

घर में चला रहे अवैध मिनीगन फैक्ट्री का भंडाफोड़

भागलपुर, एजेंसी। भागलपुर के सुल्तानगंज थाना क्षेत्र में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक मिनी गन फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में मौके से भारी मात्रा में हथियार और हथियार निर्माण में इस्तेमाल होने वाला उपकरण बरामद किया गया है। पुलिस छापेमारी से पहले ही आरोपी फरार हो गया। बताया का रहा है किआरोपी मो. शरीफ उर्फ कटकू का आपराधिक इतिहास पहले से ही संदिग्ध

रहा है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, शरीफ पूर्व में मुंगेर जिला के बरियारपुर से आर्म्स एक्ट के तहत जेल जा चुका है। इसके अलावा सुल्तानगंज थाना क्षेत्र से भी आर्म्स एक्ट के मामले में उसकी गिरफ्तारी हो चुकी है।.

छापेमारी के दौरान अवैध हथियार बरामद- पुलिस ने छापेमारी के दौरान एक निर्मित देसी पिस्टल, दो अर्धनिर्मित देसी पिस्टल, चार जिंदा गोली, चार मैगजीन, तीन ड्रिल मशीनें और हथियार बनाने में प्रयुक्त होने वाला भारी मात्रा में कच्चा माल बरामद किया है। सूत्रों के अनुसार, यह अवैध मिनी गन फैक्ट्री लंबे समय से इलाके में सक्रिय थी। यहां स्थानीय और बाहरी लोग लगातार हथियारों के निर्माण और सप्लाई के नेटवर्क से जुड़े हुए थे। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि घोरघट इलाके में हथियारों का अवैध कारोबार चल रहा है, जिसके बाद छापेमारी की गई। थाना प्रभारी विवेक जायसवाल ने बताया कि इसके पीछे और कौन लोग शामिल हैं, इसकी जांच जारी है। पुलिस का कहना है कि आरोपी से गहराई से पूछताछ की जा रही है ताकि इस अवैध धंधे के पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश किया जा सके।

तिलक समारोह में फायरिंग, जांघ में लगी गोली: बक्सर में जमीन विवाद को लेकर दो गुट भिड़े

बक्सर, एजेंसी। बक्सर के पीसी कॉलेज के पास स्थित ज्योति मैरेज हॉल में मंगलवार देर रात 1 बजे तिलक समारोह के दौरान जमीन विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। विवाद के दौरान दो पक्षों के बीच फायरिंग हुई। फायरिंग में सोंधीला गांव निवासी अभय कुमार सिन्हा (40) को गोली लग गई। यह घायल को आनन-फानन में निजी हॉस्पिटल गोलंबर पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों की निगरानी में ऑपरेशन कर गोली निकाली गई। फिलहाल, उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

करीब 20 से 22 राउंड चलीं गोलियां- मामला ज्योति मैरेज हॉल का है, जहां अभय कुमार सिन्हा एक तिलक समारोह में शामिल होने पहुंचे थे। इसी दौरान दो पक्षों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते फायरिंग में तब्दील हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, दोनों पक्षों के बीच करीब 20 से 22 राउंड गोलियां चलीं, जिससे अफरा-तफरी मच गई।

घायल का अस्पताल में इलाज जारी- फायरिंग के दौरान वहां मौजूद अभय सिन्हा की जांघ में गोली लग गई। आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें फौरन निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टर ने ऑपरेशन कर गोली निकाली। डॉक्टर राजीव कुमार झा ने बताया कि घायल को रात करीब 1 बजे अस्पताल लाया गया था और अब उनकी हालत खतरे से बाहर है।

पुलिस का दावा, पुरानी रंजिश का मामला

घटना के संबंध में मुफस्सिल थाना प्रभारी अरविंद कुमार का कहना है कि घटनास्थल पर केवल 4 से 5 राउंड फायरिंग की पुष्टि हुई है। हालांकि, स्थानीय लोग इसे दो कुख्यात गिरोहों की पुरानी रंजिश का नतीजा मान रहे हैं।

जांच में जुटी पुलिस, एक संदिग्ध हिरासत में

घटना की जानकारी मिलते ही एसडीपीओ धीरज कुमार के निर्देश पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। घायल के बयान के लिए एक टीम को अस्पताल भेजा गया है। उन्होंने बताया कि बयान के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि गोली किसने और क्यों चलाई। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और वहां मौजूद लोगों से पूछताछ की जा रही है। एक संदिग्ध को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। फिलहाल, इलाके में तनाव का माहौल है और पुलिस पूरी तरह से अलर्ट मोड में है।

जिले के 1300 राजस्व ग्राम में हो रहा जमीन सर्वे: आवेदन न देने वालों को खोजेंगे अमीन

पटना, एजेंसी। जिले के 1300 राजस्व ग्राम में जमीन सर्वे हो रहा है। सभी 1300 राजस्व ग्राम में 13,85,842 जमाबंदी और 15,75,314 खेसरा है। इसमें अभी तक सर्वे के लिए 4,15,719 लोगों ने आवेदन ?दिया है। इसमें 3,67,968 आवेदन पोर्टल पर अपलोड करने का कार्य सर्वे कार्यालय द्वारा पूरा कर दिया गया है। अबतक 1,231 मौजा के खतियान को अपलोड किया गया है।

बंदोबस्त पदाधिकारी नीरज सेठ ने कहा कि सभी शिविर प्रभारी को अगले आदेश तक ऑफ लाइन आवेदन लेने का निर्देश दिया गया है। जो लोग जिले से बाहर हैं वे लोग अभी घर बैठे ऑन लाइन आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए सभी 23 अंचलों के शिविर प्रभारी को विभिन्न माध्यमों से अपील करने का निर्देश दिया गया है।

सर्वे के लिए कहां आवेदन करें- गांव से बाहर रहने वाले लोग वेबसाइट के माध्यम से ऑन लाइन सर्वे के लिए आवेदन दे सकते हैं। ऑफ लाइन आवेदन लेने के लिए सभी 23 अंचल में सर्वे शिविर कार्यालय खोला गया है। यहां आकर लोगों ऑफ लाइन आवेदन जमा कर सकते हैं।

दस्तावेज में कमी है तो क्या करें

आपका जमीन पर दावा है तो आवेदन करें। दस्तावेज में कमी होगी तो सर्वे अधिकारियों के द्वारा संबंधित अंचल कार्यालय से दस्तावेज की मांग की जाएगी। सबसे पहले जमीन के दावे से संबंधित आवेदन करना जरूरी है।

जो आवेदन नहीं दे रहे उनका क्या

जो लोग आवेदन आवेदन नहीं देंगे। उनको नापी के दौरान सर्वे अमीन खोजेंगे। इसके बाद भी दावेदार नहीं मिलते हैं तो उनके पूर्वजों के नाम पर ही नया खतियान बनेगा। अब क्या होगा : जमीन सर्वे के लिए गांव का सीमांकन शुरू हो रहा है। दो गांव-तीन गांव के जमीन का जहां प्वाइंट है वहां पत्थर गाड़ा जाएगा। इस सीमा से गांव के तरफ की नापी होगी।

मुजफ्फरपुर में आधा दर्जन सिलेंडर ब्लास्ट, 2 घंटे बाद आग पर पाया काबू, 5 दुकानें जलकर राख

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर जिले के सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत यादव नगर चौराहा में बुधवार सुबह एक भुजा की दुकान में सिलेंडर ब्लास्ट हो गया। जिसके बाद मौके पर अफरा तफरी की स्थिति बन गई। मौके पर स्थानीय लोगो की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगो ने मामले की जानकारी सदर थाना की पुलिस और अग्निशमन विभाग को दी गई।

जानकारी मिलने के बाद मौके पर दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंची। जहां अग्निशमन टीम के साथ स्थानीय लोग भी आग बुझाने में जुटे रहे। आग की लपेटें इतनी तेज थी कि जिसपक काबू पाने में 2 घंटे का समय लगा। चश्मदीदों के मुताबिक, देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और एक के बाद एक आधा दर्जन सिलेंडर फट गए। हादसे में चार से पांच दुकानें जलकर पूरी तरह राख हो गईं।

पीड़ित दुकानदार सुरेन्द्र साह, मुंदिर भगत और सुजल राज ने बताया कि वे वर्षों से यहां खाद्य सामग्री की दुकान चला रहे थे। सुबह उन्हें फोन पर सूचना मिली कि उनकी दुकान में आग लग गई है। जब तक वे मौके पर पहुंचे, तब

तक उनकी दुकानों का सारा सामान जल चुका था।

पीड़ितों ने बताया- सालों से चला रहे थे दुकान, सब जलकर राख- पीड़ित दुकानदार सुरेन्द्र साह ने बताया कि वो पिछले 15 साल से यहां फास्ट दुकान का दुकान चलाता है। आज सुबह उसे फोन से जानकारी मिली कि दुकानें आग लगा गया है। जिसके बाद वो मौके आपे पहुंच है। दुकान में रखा सभी समान जलकर राख हो गया है। पीड़ित दुकानदार मुंदिर भगत ने बताया कि बीते चार साल से उसका कचरी और नाश्ता का दुकान था। आज उसको फोन से जानकारी मिली कि सिलेंडर ब्लास्ट होने के कारण दुकान ने आग लग गई है। जबतक वो मौके पर पहुंचा, दुकान जलकर राख हो गया है।

पीड़ित दुकानदार सुजल राज ने बताया कि पिछले दो साल से उसका समोसा जलेबी का दुकान था। आज सुबह मकान मालिक फोन कर बताए कि सिलेंडर ब्लास्ट होने के आक्रमण दुकान में आग लगा गया है। जबतक वो मौके आपे पहुंच, तब तक दुकान जलकर राख हो गया था। स्थानीय मुखिया भोला राय ने बताया कि सिलेंडर ब्लास्ट होने के कारण आग लग गया। दमकल की तीन गाड़िया मौके पर पहुंची। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया है। अब स्थिति कंट्रोल में है।

सिलेंडर ब्लास्ट की वजह से लगी आग- मौके पर पहुंचे सदर थाना के दारोगा शंभू कुमार ने बताया कि हमलोग को सूचना मिली कि सिलेंडर ब्लास्ट होने के कारण आग लगी है। हमलोग मौके पर पहुंचे। दमकल की गाड़ियों को बुलाया गया। अब आग पर काबू पा लिया गया है। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

सदन में भी लोगों को बोलने की आजादी नहीं: अभिव्यक्ति की आजादी छिन रही, लोकसभा में डिस्क्रीमिनेशन: कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष

पटना, एजेंसी। कांग्रेस कार्यालय में सोमवार को बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर भीम शक्ति संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान बिहार कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम, सचिव प्रभारी सुशील पासी मौजूद रहे। बिहार कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि बाबा साहेब के विचारों को लेकर इस संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। आज के संदर्भ में संविधान की स्थिति क्या है। आज क्या हमें अभिव्यक्ति की आजादी है। आज सदन में भी लोगों को बोलने नहीं दिया जा रहा है। अब तो लोकसभा में भी डिस्क्रीमिनेशन हो रहा है। जो सत्तासीन लोग हैं, जो आज कुर्सी पर बैठे हैं, उन्हें न्याय के साथ रहना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं है।

उन्होंने आगे कहा कि पिछले दिनों हमारे नेता राहुल गांधी के स्पीच को सदन में रोका गया, कैमरे का एंगल चेंज किया गया। ऐसे में यह भीम संवाद और भी जरूरी हो जाता है कि क्योंकि जो सत्ता में बैठे लोग हैं वह संविधान को क्षत-विक्षत कर सकते हैं। दूसरा यह की संविधान में हमारे न्याय संगत अधिकार का हनन हो रहा है। जितने भी निष्पक्ष इंस्टीट्यूशन है वह हुक्ष की इशारों पर काम कर रहे हैं। उदाहरण में निर्वाचन आयोग को ले सकते हैं, जो कोई भी निर्णय बिना सरकार से पूछे नहीं लेता है।

रोगी हितधारक मंच लोगों क़ो टीबी, शुगर, कुष्ट व कैंसर जैसे रोगों से बचाव क़ो कर रहा है जागरूक

» विशेष चप्पल के उपयोग से हाथी पांव के मरीजों को मिलती है राहत

बीएनएम। मोतिहारी

आयुष्मान आरोग्य मंदिर पर फाइलेरिया रोगियों को उपलब्ध कराया गया एमएमडीपी किट

जिले के चार चयनित प्रखंड चकिया, चिरैया, कल्याणपुर एवं संग्रामपुर में रोगी हितधारक मंच का गठन सीएचओ, आशा, जीविका दीदी, मुखिया, जनप्रतिनिधि, राशन डीलर, शिक्षक व समाजसेवी लोगों के सहयोग से किया जा रहा है, ताकि जनसमुदाय के लोगों तक स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ असानी पूर्वक मिल सकें। रोगी हितधारक मंच के सहयोग से टीबी, शुगर, कुष्ठ कैंसर, वेक्टर जैसे रोगों से बचाव हेतु जागरूक किया जा रहा है। वहीं आयुष्मान आरोग्य मंदिर पर फाइलेरिया रोगियों को एमएमडीपी किट जिसमें दवाओं के साथ विशेष चप्पल उपलब्ध कराया जा रहा है। जिसके उपयोग से एवं रोग प्रबंधन से हाथीपाँव के मरीजों को काफ़ी राहत मिलती है। आज बुधवार क़ो हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर बाटगंज चकिया में सीएचओ अमर चौधरी के नेतृत्व मे रोगी हित धारक मंच का गठन हुआ, जिसमे मुखिया कबीरा खातून, मुखिया प्रतिनिधि नसीर अहमद, एएनएम सुमन कुमारी, संगिनी झुन्नी कुमारी, जीविका कार्यकर्ता, सहित 12 फैलेरिया मरीज, दो वॉलिंटियर शामिल रहे। जहाँ सीएचओ अमर चौधरी ने रोगी हितधारक मंच के कार्यों की जानकारी देते हुए लोगों क़ो टीबी, शुगर, कुष्ठ, कैंसर, फाइलेरिया जैसे रोगों से बचाव और इन बीमारी के गंभीरता को विस्तार से बताया। साथ ही नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर मिलने वाले ईलाज व्यवस्था व उपलब्ध सेवाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया की आयुष्मान आरोग्य मन्दिर पर समय पर बीपी, सुगर व अन्य जाँच हो तो टीबी, शुगर, कुष्ठ, कैंसर, फाइलेरिया हाथी पाँव जैसे रोगों से असानी पूर्वक बचा जा सकता है। वहीं मुखिया कबीरा खातून ने आसपास के लोगों क़ो चमकी बुखार के बारे में जानकारी देने का जिम्मेदारी लीं। उन्होंने बताया की स्वास्थ्य विभाग के बातों पर अमल कर बच्चों क़ो इन खतरनाक बीमारियों से बचाया जा सकता है।विशेष चप्पल मिलने व इसके उपयोग की जानकारी मिलने पर मरीजों ने ख़ुशी जाहिर की। मौके पर सीएचओ, मुखिया एएनएम, आशा, आँगनबाड़ी सेविका, वार्ड सदस्य व सिफार के जिला प्रतिनिधि, स्वास्थ्य कर्मी व अन्य लोग उपस्थित थें।

आईसीएसएसआर ने एमजीसीयू के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ अंजनी कुमार झा की मेजर रिसर्च परियोजना को दी स्वीकृति

बीएनएम। मोतिहारी

महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय (एमजीसीयू) के मीडिया विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ अंजनी कुमार झा द्वारा प्रस्तावित शोध परियोजना को भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) ने मेजर रिसर्च प्रोजेक्ट के रूप में स्वीकृति प्रदान की है। उनकी शोध परियोजना " ब्रिजिंग एंड पॉलिसीः स्टडी टू अंडरस्टैंडिंग द रोल ऑफ़ मीडिया इन एडवांसिंग गवर्मेंट इनिशिएटिव टू एम्पॉवर संथाल ट्राइब ऑफ़ ईस्टर्न स्टेट्स (स्पेशल रेफरेंस टू बिहार, झारखण्ड, वेस्ट बंगाल एंड ओड़िशा)" शीर्षक से स्वीकृत हुई है, जो संथाल जनजाति के उन्नयन में मीडिया की भूमिका के अध्ययन में एक महत्वपूर्ण योगदान देगी। इस शोध परियोजना के लिए कुल सोलह लाख रुपये का बजट स्वीकृत किया गया है। परियोजना की स्वीकृत अवधि 24 महीने है। परियोजना के प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. अंजनी कुमार झा और को-प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. अमरेंद्र कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय, राँची, झारखंड होंगे।

प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. अंजनी कुमार झा के पास 22 वर्षों का शिक्षण- अनुभव है और विभिन्न संगठनों के साथ मीडिया अध्ययन विभाग के विभागाध्यक्ष, सहायक प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में कार्य किया है। पूर्व में डॉ. झा विवेकानंद इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज (वी. आई.पी.एस), जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय, दिल्ली, एन.आई. एम.एस विश्वविद्यालय, राजस्थान,जयपुर, टेक्निया इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस स्टडीज, महाराजा अग्रसेन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज से संबद्ध रहे। नवभारत टाइम्स, स्वदेश, दैनिक भास्कर सहित विभिन्न संगठनों में उप-संपादक, मुख्य कार्यकारी संपादक और अन्य पदों के रूप में काम करने का व्यावसायिक अनुभव है। डॉ झा माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल (म.प्र.) से पत्रकारिता एवं जनसंचार में पीएचडी उपाधि प्राप्त है। डॉ झा की

विशेषज्ञता प्रिंट मीडिया और विकास संचार में है। आप द्वारा लिखित 30 से अधिक शोध पत्र प्रतिष्ठित पीयर रिवीयू शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए है। साथ ही 60 राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियों में शोध पत्र प्रस्तुत किए है। डॉ. झा द्वारा लिखित अब तक 23 पुस्तकें प्रकाशित है। विभिन्न अवसरों पर आपको 5 राष्ट्रीय स्तर की फेलोशिप और प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। आपने विभिन्न संस्थानों से छः संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) पूर्ण किए है। भारत के विभिन्न विश्वविद्यालयों में विशेषज्ञ, परीक्षक और मूल्यांकनकर्ता के रूप में आपका अनुभव है। प्रतिष्ठित राष्ट्रीय स्तर की पत्रिकाओं के संपादकीय बोर्ड के सदस्य, विभिन्न राष्ट्रीय कार्यक्रमों में वक्ता और अनेकों पुस्तक में अध्याय लेखन का कार्य है। देश के प्रतिष्ठित समाचारपत्रों और पत्रिकाओं में विभिन्न विषयों पर 1000 से अधिक समाचार लेख लिखे और प्रकाशित हुए। प्रतिष्ठित संगठनों द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में बाह्य विशेषज्ञ के रूप में सहभागिता की। आपके निर्देशन में दो शोधार्थी पीएचडी शोध कार्य कर चुके है और दो शोधार्थी शोध कार्य में संलग्न है।आपके शोध निर्देशन में एक एमफिल शोधार्थी उपाधि प्राप्त है। डॉ. झा बोर्ड ऑफ स्टडीज के सदस्य के साथ विभिन्न विश्वविद्यालयों की एकेडमिक काउंसिल में सदस्य है। आप यूजीसी नॉमिनी के तौर पर विभिन्न संगठनों के साथ कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं और जिम्मेदारियां निभाई विगत कई वर्षों से एमजीसीयू के मीडिया विभाग के प्रमुख के रूप में भी अपनी सेवाएँ प्रदान कर रहें हैं। इसके अतिरिक्त, वे एमजीसीयू सहित कई अन्य विश्वविद्यालयों में भी विभिन्न महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे हैं। महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह विश्वविद्यालय के लिए गौरव का क्षण है। शोध के क्षेत्र में विश्वविद्यालय के शिक्षक व अध्ययनरत शोधार्थी नए कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं। उन्होंने डॉ. झा को उनके प्रोजेक्ट के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनका अनुभव शिक्षकों एवं शोधार्थियों के लिए लाभप्रद साबित होगा । इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के संकायाध्यक्ष, विभागों के विभागाध्यक्ष, अधिकारियों और मीडिया अध्ययन विभाग के शिक्षक डॉ. परमात्मा कुमार मिश्र, डॉ. साकेत रमण, डॉ. सुनील दीपक घोड़के, डॉ. उमा यादव, डॉ. मयंक भारद्वाज, डॉ. आयुष आनंद ने डॉ अंजनी कुमार झा को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

जिला कांग्रेस कमेटी ने निकाला प्रतिरोध मार्च

बीएनएम। मोतिहारी

पूर्वी चम्पारण जिला कांग्रेस कमिटी ने बुधवार को कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं राहुल गांधी, सोनिया गांधी एवं अन्य नेताओं के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा आरोप पत्र दाखिल किए जाने को लेकर विरोध दर्ज किया। कांग्रेस नेताओं ने इस कार्रवाई को मोदी सरकार द्वारा राजनीतिक प्रतिशोध की कार्रवाई करार दिया और इसे लोकतंत्र पर हमला बताया। इस विरोध के तहत जिला कांग्रेस कमिटी ने प्रतिरोध मार्च का आयोजन किया, जो बापू सभागार से कचहरी चौक तक निकाला गया। मार्च में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जोरदार नारेबाजी की और केंद्र सरकार की नीतियों की आलोचना की।"यह कार्रवाई विपक्ष को डराने और दबाने की साजिश है। लेकिन कांग्रेस इससे डरने वाली नहीं है। हम लोकतंत्र की रक्षा के लिए सड़क से संसद तक संघर्ष करते रहेंगे।" मार्च में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी शामिल हुए और शांतिपूर्ण तरीके से अपना विरोध दर्ज कराया। मौके पर प्रो. विजय शंकर पांडे, ओसैदूर रहमान खान, रंजन शर्मा, नियाज खान, अजय झा, बच्चू जी, डॉ. आशीष रंजन, अरुण प्रकाश पांडे, विश्वनाथ चौरसिया, अवध किशोर मिश्रा, राजकुमार, अंजुमन, सतेंद्र नाथ तिवारी, किरण कुशवाहा, मुन्नी साहनी, डॉ. परवेज आलम, आकर्ष कुमार तिवारी, अमन चौबे, डॉ. अफरोज आलम, रमेश श्रीवास्तव, आबिद हुसैन, आबिद हुसैन मुखिया, धनंजय तिवारी, इकबाल जफीर, आफताब आलम, अंजनी गुप्ता सहित अन्य लोग शामिल रहे।

डीएसपी रंजन कुमार को अपराध नियंत्रण में उत्कृष्ट योगदान के लिए एसपी ने किया सम्मानित

बीएनएम। अरेराज/मोतिहारी

अरेराज अनुमंडल के पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) रंजन कुमार को अपराध नियंत्रण एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए मोतिहारी के पुलिस अधीक्षक द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर आयोजित एक विशेष समारोह में पुलिस अधीक्षक ने डीएसपी रंजन कुमार को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनकी बहादुरी, कुशल नेतृत्व और कर्तव्यनिष्ठा की सराहना की। उन्होंने कहा कि रंजन कुमार ने कई जटिल और चुनौतीपूर्ण आपराधिक मामलों को सफलतापूर्वक सुलझाया है तथा कठिन परिस्थितियों में भी अद्वितीय साहस का परिचय दिया है। पुलिस अधीक्षक ने अपने संबोधन में कहा, "डीएसपी रंजन कुमार की निष्ठा और साहस न केवल विभाग के लिए गर्व की बात है, बल्कि अन्य पुलिस अधिकारियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत है।" समारोह में अन्य सहायक पुलिस अधीक्षकों और अनुसंधान अधिकारियों को भी उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। एसपी ने सभी अधिकारियों को बधाई देते हुए अपेक्षा जताई कि वे भविष्य में भी इसी समर्पण और निष्ठा के साथ कार्य करते रहेंगे। सम्मान समारोह में पुलिस विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे, जिन्होंने डीएसपी रंजन कुमार सहित सभी सम्मानित कर्मियों को शुभकामनाएं दीं।

गम्हरीयां खुर्द में खुला आयुष्मान आरोग्य मंदिर

» देशी चिकित्सा पदाधिकारी ने किया सेंटर का निरीक्षण

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के आदापुर प्रखंड के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के अंतर्गत चलने वाले गम्हरिया खुर्द हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर अब आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) के रूप में विकसित हो रहा है। आयुष्मान मंत्रालय की पहल पर हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर को विकसित किया जा रहा हैं। देशी चिकित्सा पदाधिकारी डा जेपी सिंह आज सेंटर का निरीक्षण किए। निरीक्षण के दौरान देशी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. सिंह ने कहा कि इस केंद्र पर आयुर्वेद चिकित्सक की पोस्टिंग की गई है। यहां पर आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति से मरीजों का इलाज होगा। इसके लिए यहां दवा का इंतजाम बहुत जल्द किया जाएगा। केंद्र को विकसित करने के लिए फर्नीचर व भवन का रंग रोगन भी होगा। उन्होंने कहा कि राम जानकी मठ मंदिर परिसर में चल रहे इस केंद्र के लिए अगर कुछ और जगह मिलेगी तो आयुर्वेद पार्क भी बनाया जाएगा। ग्रामीणों से बातचीत करते हुए कहा कि यहां पर नियमित चिकित्सा आएंगे । मरीजों का रूटीन जांच के साथ आयुर्वेद दवा, उनके जीवन शैली में परिवर्तन के बारे में भी जागरूक किया जाएगा। उन सेंटर पर फर्नीचर, आयुष से संबंधित दवा के साथ वहां पर आयुर्वेद पार्क भी बनेगा। केन्द्र पर गमला में औषधीय पौछे लगाए जा रहे है। उसके महत्व को ग्रामीणों को बताया जाएगा। बताया कि आने वाले दिन में गांव में हमारी पुरानी पद्धति से इलाज किया जाएगा। कहा कि हमारे जीवनशैली में बदलाव हो तो बहुत सी बीमारियों पर नियंत्रण हो सकता है। व्यायाम को अपने जीवन में शामिल करें। निरीक्षण के दौरान पहुंचे अधिवक्ता सुरेश प्रसाद ने कहा कि यह सेंटर आदापुर विभूति पंडित काशी तिवारी की पहल पर राम जानकी मंदिर के महंत बाबा रामचंद्र दास महाराज ने जमीन दान की। उनके सहयोग से यह स्वास्थ्य उपकेंद्र बना था बाद के दिनों में हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर अब यह आयुष्मान आरोग्य मंदिर के रूप में विकसित हो रहा है। इससे ग्रामीणों को काफी लाभ होगा उन्होंने कहा कि केंद्र के संचालन में ग्रामीण हर सहयोग करेंग। केंद्र पर तैनात चिकित्सक डा दयाशंकर सिंह ने यहां चल रहे मरीजों की इलाज के बारे में जानकारी दी।

दामोवृति चंवर में पुलिस की छापेमारीः 250 लीटर देशी चुलाई शराब जब्त

दामोवृति चवर में छापेमारी के दौरान अपर थानाध्यक्ष व अन्य

» 800 लीटर अर्धनिर्मित शराब नष्ट

बीएनएम। मोतिहारी

मोतिहारी/हरसिद्धि। जिले के हरसिद्धि थाना क्षेत्र के भादा पंचायत अंतर्गत दामोवृति चंवर में बुधवार की सुबह पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में देशी चुलाई शराब बरामद की। छापेमारी के दौरान करीब 250 लीटर तैयार शराब जब्त की गई, जबकि लगभग 800 लीटर अर्धनिर्मित शराब को मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। पुलिस ने मौके से शराब बनाने में प्रयुक्त उपकरणों के साथ-साथ तीन एलपीजी सिलेंडर भी बरामद किए हैं। पुलिस की कार्रवाई की भनक लगते ही शराब माफिया नदी में कूदकर फरार हो गए। थानाध्यक्ष सर्वेंद्र कुमार सिन्हा ने बताया कि फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है और यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। छापेमारी दल में अपर थानाध्यक्ष मनीष राज, दरोगा उमेश पासवान, चौकीदार तफसीर आलम, दफादार राजेश्वर गिरी सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे।

देकुली जीर्णोद्धार में संवेदक कोताही न बरतें : शेख

बीएनएम। शिवहर

जिले के ऐतिहासिक बाबा भुवनेश्वर नाथ धाम के जीर्णोद्धार में संवेदक कोताही ना बरतें। बुधवार को एमएलसी मोहम्मद फारुक शेख ने देकुली धाम का निर्माण कार्य निरीक्षण करने के उपरांत प्रेस मीडिया को संबोधित कर रहे थे। निर्माण कार्य का निरीक्षण के उपरांत एमएलसी मोहम्मद फारुख शेख ने कहा कि निर्माण कार्य में कोताही बरती जा रही है। गुणवत्तापूर्ण कार्य होनी चाहिए ।देकुली धाम आस्था से जुड़े हुए यहां लाखों श्रद्धालुओं आते रहते हैं। निर्माण कार्य गुणवत्ता पूर्ण होने से किसी भी प्रकार की कभी भी हादसा नहीं हो सकती। उन्होंने बताया है कि देकुली धाम पर संवेदक के द्वारा निर्माण कार्य करने में काफी लापरवाही बरती जा रही है। मानक के अनुरूप काम करें। वहीं उन्होंने कहा कि देकुलीधाम एवं पूरनहिया प्रखंड के अशोगी वट वृक्ष के जीर्णोद्धार को लेकर मैंने सदन में मांग रखी थी। जो पूरी होती दिख रही है। सरकार ने हमारी मांग को प्राथमिकता लिया और सबसे पहले देकुली धाम का जीर्णोद्धार का कार्य हो रहा है। एमएलसी फारुख शेख के निरीक्षण के दौरान से पहले एसडीम अविनाश कुणाल का भी आगमन हुआ। एसडीएम ने संवेदक एवं कार्य कर रहे मिस्त्री को भी गुणवत्तापूर्ण कार्य करने का निर्देश दिया है तथा कहा है कि मानक के अनुरूप काम हो रहा है।

अग्निशमन सेवा सप्ताह को लेकर जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बीएनएम। मोतिहारी

"बिहार अग्निशमन सेवा" पूर्वी चम्पारण द्वारा 14 अप्रैल से 20 अप्रैल तक "अग्निशमन सेवा सप्ताह के अवसर पर लगातार जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित की जा रही है। अग्निशमन सेवा सप्ताह के तीसरे दिन फिट इंडिया मुवमेंट के तहत बुधवार को प्रातः 06:30 बजे पुलिस अधीक्षक कार्यालय से साइक्लोथॉन का आयोजन किया गया, जिसमें स्थानीय स्कूल के सैकड़ों छात्र एवं छात्राएँ भाग लिये। इस अवसर पर जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल एवं जिला अग्निशमन पदाधिकारी तृप्ति सिंह द्वारा हरी झंडी दिखाकर साइक्लोथॉन में भाग ले रहे प्रतिभागीयों को रवाना किया। साईक्लोथॉन नगर के कचहरी चौक, बलुआ, सदर अस्पताल होते हुए टाउन थाना चौक होते हुए पुनः पुलिस कार्यालय के समीप वापस आयी।

इस प्रतियोगिता में पुरूष वर्ग में (1) धर्मवीर कुमार, (2) मणिकान्त कुमार पटेल, (3) एस.पी. लाल कुमार एवं महिला वर्ग में (1) बेबी कुमारी (2) अप्पी कुमारी (3) साक्षी कुमारी प्राप्त किये जिन्हें मेमेन्टो एवं प्रशस्ति पत्र से जिला अग्निशमन पदाधिकारी तृप्ति सिंह, परिक्ष्यमान जिला अग्निशमन पदाधिकारी प्रिया कुमारी, अनुमण्डल अग्निशमन पदाधिकारी सुनिति कुमारी एवं रंजीत कुमार द्वारा प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम में उपस्थित बड़ी संख्या में लोगों को अग्निशमन कर्मियों द्वारा अग्नि सुरक्षा परामर्श एवं लिफ्लेट/पंपलेट के माध्यम से जागरूक किया गया।

सत्य,अहिंसा और शांति की भूमि है जसौली पट्टी : डॉ दाधीच

महान स्वतंत्रता सेनानी लोमराज बाबू को दी गई श्रद्धांजलि,गोष्ठी का आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी

चम्पारण सत्याग्रह स्मृति दिवस के मौके पर कोटवा प्रखंड के जसौली पट्टी में महात्मा गांधी एवं लोमराज सिंह की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर दोनों महान विभूतियों को श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें विशिष्ट अतिथि महात्मा गांधी सेंट्रल यूनिवर्सिटी के गांधी शांति अध्ययन विभाग के एचओडी डॉ युगल किशोर दाधीच ने कहा कि महात्मा गांधी की कर्म भूमि और लोमराज बाबू की जन्मभूमि जसौली पट्टी सत्य,अहिंसा और शांति की भूमि है। मै इस भूमि को नमन करता हूं। उन्होंने कहा कि बदलते परिदृश्य में गांधी दर्शन एवं चिंतन को साकार करने के लिए हमें हृदय परिवर्तन, मस्तिष्क परिवर्तन, व्यवस्था परिवर्तन एवं जीवन शैली परिवर्तन करने पर बल देना होगा। कार्यक्रम में प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी के साथ ही गांव के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित हुए और गांधी दर्शन पर चिंतन किया गया। वर्तमान समय में राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक आर्थिक एवं राजनीतिक चुनौतियों को देखते हुए यह आवश्यक हो गया है,कि आज गांधी के विचारों को आत्मसात किया जाए ताकि भारत की युवा पीढ़ी की समझ उनकी दृष्टि और व्यापक एवं समृद्ध बन सके। गांधी के विचार ही आने वाले समय में विकसित भारत की नींव को और अधिक सुदृढ करने में सहायक सिद्ध होंगे। सहायक आचार्य गांधी शांति अध्ययन विभाग के डॉ अभय कुमार विक्रम ने भी अपने विचार रखे। इस दौरान प्रखण्ड विकास पदाधिकारी सरीना आजाद एवं अंचलाधिकारी मोनिका आनन्द ने गांधी जी एवं लोमराज सिंह को श्रद्धाजंलि अर्पित करते हुए युवाओं से गांधी दर्शन पढ़ने और उसे जीवन में उतारने को कहा।गोष्ठी की अध्यक्षता अवकाश प्राप्त शिक्षक उपेन्द्र कुमार सिंह ,संचालन सामाजिक कार्यकर्ता विनय कुमार, धन्यवाद ज्ञापन अवकाश प्राप्त शिक्षक रामश्रेष्ठ बैठा ने की।उल्लेखनीय है,कि 16 अप्रैल 1917 को गांधी जी ने जसौली पट्टी के लिए यात्रा की थी।उसी स्मृति में प्रतिवर्ष स्मृति दिवस मनाया जाता है।इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता विनय कुमार,नवनीत कुमार गिरि,पैक्स अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह, कमलेश कुमार सिंह, अखिलेश कुमार सिंह,प्रमुख प्रतिनिधि सुनील कुमार दास, राजीव रंजन जगरनाथ भगत, अभिनव सिंह , जागरण क्लब के अध्यक्ष श्रवण पासवान के साथ दर्जनों युवक उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

निगरानी से जुड़े मामलों का निपटारा 2 से 3 वर्ष में पूरा करें: अपर मुख्य सचिव

बीएनएम। पटना। निगरानी से जुड़े मामलों का निपटारा पिछले वर्ष लागू किए गए नए कानून के अंतर्गत 2 से 3 वर्ष में पूरा करने पर सभी पदाधिकारी फोकस करें। ये बातें निगरानी विभाग के अपर मुख्य सचिव अरविंद कुमार चौधरी ने मुख्य सचिवालय स्थित अधिवेशन भवन में आयोजित कार्यशाला को संबोधित करने के दौरान आज कही। एसीएस चौधरी ने कहा कि सभी जिलों में मौजूद निगरानी कोषांग भ्रष्ट पदाधिकारियों की पहचना करें। इनकी अवैध संपत्ति की जांच कर निगरानी को कार्रवाई के लिए पहल करें। सभी सरकारी कार्यों का निष्पादन स्वच्छ तरीके से जिला स्तर पर हो, इसके लिए निगरानी कोषांग पूरी मुस्तैदी से मॉनीटरिंग करे। सरकारी कार्यालयों में दलालों और बिचौलियों के खिलाफ कार्रवाई करें। ताकि आम लोगों को योजनाओं का लाभ लेने में किसी तरह की समस्य नहीं आए। इस मौके पर अधिकारियों ने पीपीटी प्रस्तुतिकरण के माध्यम से निगरानी से जुड़ी कार्रवाई और भ्रष्टाचार से संबंधित स्थिति और इस पर कार्रवाई की पूरी विस्तृत जानकारी अधिकारियों ने दी। अधिकारियों और कानून के जानकारों ने भ्रष्टाचार निवारण कानून और इसके प्रभावी क्रियान्वयन से संबंधित जानकारी दी। समीक्षा के दौरान यह बात सामने आई कि कुछ जिलों मसलन भागलपुर, खगड़िया, मुजफ्फरपुर, पूर्वी चंपारण, रोहतास, अरवल और पूर्णिया में यह हेल्पलाइन नंबर कार्यरत नहीं है। इसका कारण उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों से पूछा और इसे जल्द चालू करने के लिए संबंधित जिलों के डीएम से मिलकर क्रियान्वित करने को कहा। सभी जिलों में मौजूद निगरानी कोषांग के पदाधिकारियों को नियमित बैठक करके मामलों की समीक्षा करने को कहा। जिन मामलों में आरोप-पत्र लंबित हैं, उन्हें जल्द दायर करें। उन्होंने सभी जिलों को तैयार ऑनलाइन पोर्टल पर परिवाद को दर्ज करने और इसका जवाब भी इसी पर देने आदेश दिया।

जिलों में त्रिशक्ति के तौर पर काम करें निगरानी कोषांग- इस कार्यशाला को निगरानी अन्वेषण ब्यूरो के महानिदेशक जितेंद्र सिंह गंगवार ने भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर निगरानी कोषांग में मौजूद तीनों पदाधिकारी पुलिस पदाधिकारी, मैजिस्ट्रेट और इंजीनियर भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई करने में मिलकर त्रिशक्ति की तरह काम करें। इस मौके पर विशेष निगरानी इकाई (एसवीयू) के अपर मुख्य सचिव (एडीजी) पंकज कुमार दाराद ने कहा कि नए कानून में दर्ज प्रावधानों के अनुसार ही भ्रष्ट पदाधिकारियों पर कार्रवाई करें। किसी भी छापेमारी, ट्रैप या अन्य कार्रवाई का डिजिटल साक्ष्य रखें। इसके लिए आधुनिक एवं खुफिया कैमरे समेत अन्य उपकरणों का उपयोग करें।

स्कूल के सामने बने नाला का स्लैब टूटा, छात्रों हो रही है परेशानी

बीएनएम। तुरकौलिया। प्रखंड क्षेत्र के कवलपुर उर्दू स्कूल के सामने बने नाला का स्लैब टूटने से स्कूल में आने जाने वाले स्कूल के बच्चों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। यह नाला जांस हॉस्पिटल से लेकर कवलपुर चौक होते हुए बैरिया मन के किनारे तक जाती है। इस नाला का स्लैब लगभग 50 प्रतिशत जर्जर हो चुका है। यह नाला पीडब्ल्यूडी विभाग से बना हुआ था। जिसको बने लगभग 12 वर्ष बीत चुके है। मगर अभी तक इस नाला का सफाई भी नहीं हुआ है। नाला जाम होने से दो तीन जगह पर पानी लीक करता है। जिससे सड़क पर पानी लग जाता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस नाला का बने 12 साल हो चुके है। लेकिन अभी तक इसका मरम्मत भी नहीं हुआ है। खास कर स्कूल के सामने नाला के ऊपर स्लैब नहीं रहने के कारण बच्चे को नाला में गिरने का खतरा बना रहता है। स्थानीय लोगों का कहना था कि जल्द से जल्द नाला का निर्माण कराया जाए। ताकि खतरा होने से बचा जा सके। स्कूली बच्चों के अभिभावक लालू अंसारी, मो0 रेयाज, अब्दुल सलाम, अली अख्तर अंसारी, नबी आलम, वोशी अख्तर, शबाब आलम, मो0 रेयाजुद्दीन, मो0 तस्लीम, जुनैद आलम, उप सरपंच अजमल कमाल ने नाला के स्थिति को देखते हुए काफी चिंतित है। सभी लोगों ने बताया कि प्रतिदिन उसका बच्चा स्कूल में पढ़ने आता है। सभी को डर लगा रहता है कि कही उसका बच्चा इस नाला में गिर न जाए। वही स्कूल के अध्यक्ष सह वार्ड सदस्य बिलकिश खातून ने बताया कि नाला का स्लैब नहीं रहने के कारण बच्चे को नाला में गिरने का खतरा बना रहता है। उन्होंने संबंधित विभाग से मांग की है कि जल्द से जल्द नाला का निर्माण कराया जाए। साथ ही यह भी बताया कि इस के लिए हम विभाग को पत्र लिखेंगे ताकि यह नाला बन सके।

मारपीट की घटना में चार लोग घायल

बीएनएम। जमुई | झाझा | मंगलवार की देर शाम को थानाक्षेत्र के रानीकुरा गांव में दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई। इस घटना में दोनो पक्षों की ओर से कुल चार लोग घायल हो गया। एक पक्ष से घायल की पहचान कंचन मंडल और उसकी पत्नी रमणी देवी के रूप में हुई जबकि दूसरे पक्ष से घायल की पहचान खुशबू कुमारी और उसकी सास बसंती देवी के रूप में हुई। मारपीट की सूचना डायल 112 की पुलिस को मिलने के बाद घटना स्थल पर पहुंची पुलिस घटना को शांत करवाने के बाद सभी घायलों को इलाज के रेफरल अस्पताल लाया जहां डॉक्टर सदाब अहमद के द्वारा सभी घायलों का इलाज किया गया। एक पक्ष से घायल कंचन मंडल ने बताया बंसती देवी के पति भरत मंडल से जमीन को लेकर विवाद चल रहा है उसी रंजिश को लेकर मुझे और मेरी पत्नी के साथ वे और उसके घरवालों ने मारपीट की घटना को अंजाम दिया।

हाजीपुर–सुगौली रेल लाइन पर काम को लेकर कनछेदवा में हुई अहम बैठक

बीएनएम। अरेराज/हरसिद्धि

हरसिद्धि प्रखंड के कनछेदवा गांव में हाजीपुर–सुगौली रेल लाइन के शेष कार्य को शीघ्र शुरू करने को लेकर बुधवार को एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में रेलवे और प्रशासनिक अधिकारियों ने आम ग्रामीणों से संवाद किया। बैठक में अरेराज अनुमंडल पदाधिकारी अरुण कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोज कुमार पासवान, अंचलाधिकारी अरविंद कुमार, आरओ रामसेवक पासवान और हरसिद्धि थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर सर्वेंद्र कुमार सिन्हा उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने रेल लाइन के निर्माण पर खुशी जताई, लेकिन भूमि अधिग्रहण में उचित मुआवजा नहीं मिलने पर नाराजगी भी जाहिर की। इस पर अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि मुआवजे से जुड़ा मामला फिलहाल कोर्ट में विचाराधीन है, और कोर्ट के आदेशानुसार सभी प्रभावितों को तय मूल्य दिया जाएगा। इस दौरान ग्रामीणों ने बनने वाले रेलवे स्टेशन का नाम "हरसिद्धि" की बजाय "कनछेदवा" रखने की मांग भी रखी। अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि यह मांग उच्च स्तर पर पहुंचाई जाएगी। अंचलाधिकारी अरविंद कुमार ने जानकारी दी कि अरेराज एसडीओ के प्रयास से ग्रामीणों ने रेल परियोजना में सहयोग का भरोसा दिया है। सभी ने मिलकर काम को गति देने की बात कही। इस मौके पर नरेंद्र नाथ सिंह, वशिष्ठ सिंह, नागेश्वर सिंह, द्वारिका सिंह, मदन सिंह, राजू कुमार सिंह, बसंत ठाकुर, सुरेश कुंवर, सुनील कुमार सिंह, शशि भूषण सिंह, रोशन कुमार और पंकज सिंह सहित कई स्थानीय लोग मौजूद रहे।

660 बोतल नेपाली शराब के साथ कारोबारी गिरफ्तार

बीएनएम। शिवहर

जिले में नगर थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 660 बोतल नेपाली शराब के साथ एक शराब कारोबारी को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर शहर के लचका पुल के पास की गई। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने एक कार भी जब्त की है, जिसमें शराब की खेप छुपाकर ले जाई जा रही थी। इस संबंध में प्रभारी एसडीपीओ सह ट्रैफिक डीएसपी भाई भरत कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मामले की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शराब तस्करी के खिलाफ अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई है और आगे भी ऐसे तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। मौके पर नगर थाना अध्यक्ष रणधीर कुमार सिंह, दरोगा जशिम अंसारी समेत अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

दो बाल विवाह को जिला प्रशासन ने समय रहते रोका, परिजनों को दी गई सख्त चेतावनी

बीएनएम। शिवहर

जिले के देकुली धाम मंदिर में दो नाबालिग बच्चों के गुप्त रूप से कराए जा रहे बाल विवाह को जिला प्रशासन की तत्परता और सामाजिक कार्यकर्ताओं की सतर्कता के चलते समय रहते रोक लिया गया। इस कार्रवाई का नेतृत्व अनुमंडल पदाधिकारी-सह-बाल विवाह निषेध पदाधिकारी शिवहर के निर्देशन में किया गया। बिहार ग्राम विकास परिषद के सामाजिक सामुदायिक कार्यकर्ता अनिल कुमार और कोमल कुमारी ने विवाह की सूचना प्रशासन को दी, जिसके बाद पिपराही थाना की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और दोनों नाबालिगों को सुरक्षित थाना लाया गया। थाने में बच्चों की काउंसलिंग की गई और उनके अभिभावकों से अंडरटेकिंग फॉर्म भरवाया गया कि वे बच्चों की शादी तभी करेंगे जब लड़की की उम्र 18 वर्ष और लड़के की उम्र 21 वर्ष पूरी हो जाए। जिला बाल विवाह निषेध पदाधिकारी को पूरी रिपोर्ट सौंप दी गई है। इस दौरान दोनों पक्षों के परिजनों को बाल विवाह निषेध कानून की जानकारी दी गई और यह भी बताया गया कि बाल विवाह बच्चों के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास पर किस प्रकार नकारात्मक प्रभाव डालता है। कार्यवाही में जिला प्रशासन, बिहार ग्राम विकास परिषद के कार्यकर्ता अनिल कुमार, कोमल कुमारी और पिपराही थाना पुलिस बल की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

बैंक से ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़, छह घंटे में आरोपी गिरफ्तार

बीएनएम। शिवहर

जिले में बैंक से पैसा निकालने वाले बुजुर्गों को निशाना बनाकर ठगी करने वाले एक गिरोह का पुलिस ने पर्दाफाश किया है। नगर थाना क्षेत्र के जीरो माइल स्थित एसबीआई शाखा के बाहर हुई इस वारदात में त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने मात्र छह घंटे के भीतर एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और ठगी की गई राशि बरामद कर ली है। पुलिस अधीक्षक शैलेश कुमार सिन्हा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर जानकारी दी कि 15 अप्रैल को एक बुजुर्ग व्यक्ति द्वारा बैंक से पैसे निकालने के बाद गिरोह ने उन्हें टेंपो में बैठाया और चुपचाप रकम चुरा ली। सूचना मिलते ही थाना अध्यक्ष ने सीसीटीवी फुटेज खंगाला और तकनीकी साक्ष्य के आधार पर जांच शुरू की। इसके बाद छापेमारी कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया और वारदात में प्रयुक्त टेंपो भी जब्त किया गया। पुलिस ने चोरी गए पैसे को भी बरामद कर लिया है। मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और गिरोह के अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए आगे की कार्रवाई जारी है।

मुजफ्फरपुर में 12 घरों में लगी भीषण आग, जिंदा जल गए 4 बच्चे; अफरातफरी का माहौल

बीएनएम। मुजफ्फरपुर

जिले के सकरा के रामपुरमनी इलाके में बुधवार को एक दलित बस्ती के 50 से अधिक घरों में आग लग गई। हादसे में 4 बच्चों हो गई है। मृतकों में छोटू पासवान की बेटी अंशिका कुमारी (05), राज पासवान की बेटी ब्यूटी कुमारी (08), सृष्टि कुमारी (06), विपुल कुमार (10) शामिल हैं। वहीं, 15 से 20 बच्चे आग से बचने के लिए इधर-उधर भाग गए थे। दो घंटे बाद गायब सभी बच्चे अपने घर पहुंच गए। मुजफ्फरपुर जिला प्रशासन का कहना है कि घटना में 5वें व्यक्ति की मौत अफवाह थी। बताया जा रहा है कि शार्ट सर्किट की वजह से हाई टेंशन तार गोलक पासवान के घर पर गिरा, जिसकी वजह से आग लगी। फिर देखते ही देखते पूरे झुग्गी इलाके में फैल गई। इस दौरान कई झुग्गियों में रखे सिलेंडर ब्लास्ट कर गए। मुजफ्फरपुर के डीएम सुब्रत कुमार सेन ने बताया गांव के गोलक पासवान के घर में अचानक शॉर्ट सर्किट से आग लगी थी। जब तक लोग कुछ समझ पाते, तब तक तेज हवा की वजह से आग काफी तेजी से फैल गई। आग की लपटें ज्यादा तेज थीं। जिस कारण बच्चे डर गए। बाहर नहीं निकल पाए और आग की चपेट में आ गए। डीएम ने आग लगने से 4 बच्चों की मौत की पुष्टि की है। मौके पर एसडीएम को भेजा गया है। मृतक के परिवार को मुआवजा दिया जाएगा और 2 दिनों तक लोगों के खाने-पीने की व्यवस्था कराई गई है। घटना बरियारपुर थाना क्षेत्र के रामपुर मनी पंचायत की है। स्थानीय लोगों ने बताया कि राजू पासवान नामक व्यक्ति के 3 बच्चों की झुलसकर मौत हो गई है। इन बच्चों की उम्र 12 साल, आठ साल और नौ साल है। घटना के बाद अफरा-तफरी मच गई है। अग्निशमन की टीम मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू में जुटी है। दर्जनों घर जलकर राख हो गए। पुलिस शव को पोस्टमॉर्टम के लिए SKMCH भेज रही है। ग्रामीण राकेश ने बताया, 'जब आग लगी तो थाने को सूचना दी गई, लेकिन कोई मौके पर नहीं पहुंचा। अग्निशमन की टीम जब मौके पर पहुंची, तब तक आग पर लगभग काबू पा लिया गया था। एक साथ चार बच्चों की झुलसने से मौत हो गई।

10 मई को होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत की लेकर तैयारी की समीक्षा

बीएनएम। शिवहर

जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष व जिला व सत्र न्यायाधीश उदयवंत कुमार के निर्देश के आलोक में जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव ललन कुमार के द्वारा तैयारी की समीक्षा की गई है। अगले माह 10 मई को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार शिवहर ने एक बैठक विभिन्न विभागों के साथ किया है । इस बार के राष्ट्रीय लोक अदालत में बीएसएनएल, वन विभाग व बैंक से संबंधित मामलों का निपटारा बड़े पैमाने पर किया जाना है मीटिंग के दौरान वन विभाग के फॉरेस्टर शिवानी कुमारी व अन्य मौजूद रहे।

केविवि में डॉ. भीमराव अंबेडकर की 134वीं जयंती पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन

बीएनएम। मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतीहारी के महात्मा बुद्ध परिसर स्थित आचार्य बृहस्पति सभागार में डॉ. भीमराव अंबेडकर की 134वीं जयंती के अवसर पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर देश भर से आए प्रतिष्ठित शिक्षाविदों, सामाजिक चिंतकों, विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों, शोधार्थियों एवं छात्र-छात्राओं की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। समापन सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने की, जो तकनीकी माध्यम से ऑनलाइन रूप में कार्यक्रम से जुड़े। अपने सारगर्भित उद्बोधन में उन्होंने डॉ. अंबेडकर को केवल भारतीय संविधान निर्माता ही नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, समता और शिक्षा के पुरोधा के रूप में स्मरण किया। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब द्वारा समाज के वंचित वर्गों के उत्थान हेतु किए गए संघर्ष आज भी प्रेरणा स्रोत हैं। विश्वविद्यालय उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयत्नशील है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. लक्ष्मीनिवास पांडे ने कहा कि शिक्षा ही सामाजिक परिवर्तन की आधारशिला है। डॉ. अंबेडकर ने शिक्षा को एक प्रभावी हथियार के रूप में अपनाकर सामाजिक क्रांति की शुरुआत की, जो आज भी विद्यार्थियों के लिए अनुकरणीय है। मुख्य वक्ता, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पं. दीनदयाल उपाध्याय चेयर के अध्यक्ष प्रो. मधुरेन्द्र कुमार ने डॉ. अंबेडकर के विचारों की समकालीन प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि लोकतंत्र, समानता और बौद्धिक स्वतंत्रता की उनकी अवधारणा हमारे संविधान की आत्मा है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे बाबा साहेब के विचारों को आत्मसात कर एक समतामूलक भारत के निर्माण में योगदान दें। विशिष्ट अतिथियों में सामाजिक चिंतक श्री लक्ष्मीनारायण भाला एवं सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ गुजरात के प्रो. मनीष (डीन, स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज़) शामिल रहे। दोनों ने डॉ. अंबेडकर के वैश्विक दृष्टिकोण तथा मानवाधिकारों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों के लिए आयोजित तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता में चंदन कुमार ने प्रथम स्थान प्राप्त कर 2100, प्रमाणपत्र और स्मृति चिन्ह प्राप्त किया। द्वितीय स्थान पर अमन राज निलेश (1100), तथा तृतीय स्थान पर खुशी कुमारी (551) रहीं, जिन्हें प्रमाणपत्रों सहित सम्मानित किया गया। यह समापन सत्र न केवल बौद्धिक विमर्श का केंद्र बना, बल्कि युवाओं के लिए एक प्रेरणास्पद मंच सिद्ध हुआ, जहाँ से समाज में सकारात्मक बदलाव की चेतना का संचार हुआ।

अरेराज में धान अधिप्राप्ति की समीक्षा बैठक, सीएमआर आपूर्ति में पहाड़पुर और अरेराज प्रखंड पीछे

बीएनएम। अरेराज

अरेराज अनुमंडल कार्यालय में धान अधिप्राप्ति विपण वर्ष 2024-25 की समीक्षा को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अनुमंडल पदाधिकारी ने की, जिसमें अनुमंडल के सभी प्रखंड सहकारिता प्रसार पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य पैक्स के माध्यम से किसानों से खरीदे गए धान के समतुल्य चावल (CMR - कस्टम माइल्ड राइस) की आपूर्ति की प्रगति की समीक्षा करना था। समीक्षा के दौरान यह सामने आया कि पहाड़पुर और अरेराज प्रखंडों में CMR की आपूर्ति काफी असंतोषजनक रही है।

प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, पहाड़पुर प्रखंड में 87.94 लॉट धान की खरीद के मुकाबले मात्र 39 लॉट CMR की आपूर्ति हुई है। अरेराज प्रखंड में 65.15 लॉट की खरीद के सापेक्ष सिर्फ 25.64 लॉट CMR की आपूर्ति हुई है। वहीं हरसिद्धि और संग्रामपुर प्रखंडों की स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर रही। हरसिद्धि में 179.63 लॉट धान के विरुद्ध 111.00 लॉट और संग्रामपुर में 68.74 लॉट के विरुद्ध 43.68 लॉट CMR की आपूर्ति दर्ज की गई। पहाड़पुर और अरेराज की धीमी प्रगति पर नाराज़गी जताते हुए अनुमंडल पदाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को चेतावनी दी और निर्देश दिया कि एक सप्ताह के भीतर शेष CMR की आपूर्ति हर हाल में सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि "धान अधिप्राप्ति की प्रक्रिया किसानों की आय और राज्य के खाद्यान्न भंडारण की रीढ़ है। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।" बैठक के अंत में अनुमंडल पदाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसानों को उनके धान का उचित मूल्य और लाभ समय पर दिलाने के लिए तत्परता से कार्य करें, ताकि सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँच सके।

घिबली का ट्रेंड

घिबली एप से अपनी तस्वीरों को नया कलेवर देने के लिए लोग पागल हुए जा रहे हैं, बिना यह जाने-समझे कि इसका इस्तेमाल किस कदर खतरनाक है। आजकल आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) की मदद से अपनी तस्वीरों को स्टूडियो घिबली स्टाइल में बदलने का चलन आम जन को इस कदर अपनी आगोश में लिये हुए है कि इससे होने वाले नुकसान की चिंता किसी को रत्ती भर भी नहीं है। स्वाभाविक रूप से यह गोपनीयता के लिए गंभीर खतरा है। साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों का भी यही मत है कि इसके इस्तेमाल में बेहद सतर्कता और समझदारी की जरूरत है। क्योंकि भले इस तरह के एप और एआई टूल्स सुरक्षित दिखें, मगर इनकी शत्रे और नियम बेहद अस्पष्ट होती हैं। एक बड़ा खतरा निजी तस्वीरों की चोरी और उसके गलत उपयोग का है। कई बार डीपफेक बनाने में कई सेलेब्रिटी की तस्वीरों का उपयोग किया गया है। कई बार तो फोटो या डाटा डार्क वेब को बेचे भी गए हैं। दरअसल, घिबली जापानी एनिमेशन की कला शैली स्टूडियो घिबली का ट्रेंड ओपन एआई के जीपीटी-40 मॉडल है, जिसमें तस्वीरों में महज आपका चेहरा ही नहीं बल्कि आपकी लोकेशन, वक्त और डिवाइस की जानकारी जैसा छिपा हुआ मेटाडाटा भी होता है और ये सभी निजी गोपनीय जानकारी आसानी से दे सकते हैं। हम भारतीयों में भेड़ चाल चलने की बुरी आदत घर कर चुकी है। कोई भी नई तकनीक का इस्तेमाल हम बिना उसके गुण-दोष के आधार पर नहीं करते हैं। साइबर युग में इस तरह की गलती के बेहद खतरनाक अंजाम भुगतने की आशंका बलवती होती है। पहले भी तस्वीरों का डीपफेक की मदद से कितना भद्दा और गंदा मजाक किया गया, यह बताने की जरूरत नहीं है। सरकार इन सब बातों से भिज्ञ है, मगर उसकी तरफ से कोई चेतावनी या निर्देश देने की पहल अब तक नहीं की गई है। होना तो यह चाहिए कि जनता को इसके बारे में सूचना और प्रसारण मंत्रालय को एक जागरूकता कैंपेन चलाना चाहिए। सोशल मीडिया के जरिये सरकारी संस्थाओं को इस तरह के एप्लीकेशन पर बराबर नजर रखने और जनता को लगातार सतर्क रहने की कवायद करते रहना होगा। छोटी सी खुशी के चक्कर में बड़ा और कभी न भूलने वाले कृत्य को लेकर जनता को भी सोचना होगा।

अराजकता में डूबे बंगाल में नाउम्मीदी का अंधेरा

ललित गर्ग

बंगाल में वक्फ कानून को लेकर हिंसा का सिलसिला जिस तरह तेज और सांप्रदायिक होता जा रहा है, जिस तरह से हिन्दुओं को निशाना बनाया जा रहा है, उन्हें मुर्शिदाबाद से पलायन को विवश किया जा रहा है, वह मुस्लिम तुष्टीकरण और दुष्प्रचार की खतरनाक राजनीति का प्रतिफल तो है ही, वह कुशासन एवं अराजकता की भी चरम पराकाष्ठा भी है। नए वक्फ कानून को लेकर कुछ राजनीतिक दल मुस्लिम समाज को विशेषतः किशोर बच्चों को हिंसा एवं तोड़फोड के लिये जानबूझकर सड़कों पर उतारने में लगे हुए हैं। वे उन्हें अराजकता एवं उन्माद के लिए उकसाभी रहे हैं और तरह-तरह से प्रोत्साहन देरहे हैं। अराजकता फैलाने वाले किस तरह बेखौफ हैं, इसकी पुष्टि इससे होती है कि वे सरकारी-गैरसरकारी वाहनों को तोड़ने, जलाने के साथ पुलिस पर भी हमले कर रहे हैं। बंगाल के विभिन्न जिलों में वक्फ कानून के विरोध के बहाने फैलाई जा रही अराजकता इसलिए भी थमने का नाम नहीं ले रही हैं, क्योंकि खुद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इस कानून के खिलाफ खड़ी होकर राजनीतिक रोटियां सेंकने का काम कर रही हैं। पश्चिम बंगाल में हिंसा का बढ़ना, हिन्दुओं में डर पैदा होना, भय का वातावरण बनना, आम जनजीवन का अनहोनी होने की आशंकाओं से घिरा होना चिंताजनक भी है और राष्ट्रीय शर्म का विषय भी है। यह बंगाल पुलिस के नाकारापन एवं ममता सरकार के मुस्लिम तुष्टिकरण का ही दुष्परिणाम है कि मुर्शिदाबाद के साथ ही अन्य शहरों में भी वक्फ कानून के विरोध की आड़ में हिंसा, तोड़फोड, आगजनी हो रही है। खतरनाक यह है कि इस दौरान हिंदुओं को जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है। इससे संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि कलकत्ता उच्च न्यायालय ने वक्फ कानून विरोधियों की अराजकता से उपजे हालात का संज्ञान लिया। मामला सुप्रीम कोर्ट भी पहुंच गया है। इससे शर्मनाक एवं दर्दनाक और कुछ नहीं हो सकता कि मुर्शिदाबाद में 11 अप्रैल को हुई हिंसा के बाद करीब 500 हिंदू पलायन कर गए हैं। हिंदू परिवारों का आरोप है कि हिंसा के दौरान उनको चुन-चुनकर निशाना बनाया गया। उनके पीने के पानी में जहर तक मिला दिया गया है। इस हिंसा की जांच एजेंसियों ने पोल खोल दी है, यह हिंसा पूरी प्लानिंग के तहत की गई थी, जिसमें तुर्की से फंडिंग और स्थानीय मदरसों की मिलीभगत सामने आई है। हमलावरों को ट्रेनिंग दी गई और इनाम की व्यवस्था भी की गई थी। ममता बनर्जी एवं उनकी सरकार देश में एकमात्र ऐसी सत्तारुढ़ पार्टी एवं नेता बन गई है जिसका देश के संविधान, न्यायपालिका एवं लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भरोसा नहीं रह गया है। वक्फ कानून का विरोध करने सड़क पर उतरे तत्वों के दुस्साहस का पता इससे चलता है कि वे सीमा सुरक्षा बल के जवानों को भी निशाना बनाने से नहीं हिचक रहे हैं। उनके इसी दुस्साहस के चलते मुर्शिदाबाद के हिंदुओं ने खुद को असहाय पाया। बंगाल में कानून के शासन ने सुनियोजित हिंसा के दुष्चक्र के समक्ष एक बार फिर समर्पण कर दिया। बंगाल में इसके पहले भी ऐसा हो चुका है। मई 2021 में विधानसभा चुनावों के बाद वहां तृणमूल समर्थक तत्वों ने अपने राजनीतिक विरोधियों को इतना आतंकित किया था कि वे जान बचाने के लिए असम में शरण लेने को मजबूर हुए थे। तब भी वहां पुलिस मूकदर्शक बनी हुई थी। ताजा हिंसक हालातों में राज्य सरकार और उसके नेता यह झूठ देश के गले में उतारने में लगे हुए हैं कि बंगाल में स्थितियां नियंत्रण में हैं। यह कैसा नियंत्रण है? यह कैसी शासन-व्यवस्था है? यह कैसा दोगलापन है? जिसमें एक समुदाय खुलेआम दूसरे समुदाय को निशाना बना रहा है। खुलेआम सार्वजनिक मंचों पर राष्ट्र-विरोधी विचारों का जहर घोला जा रहा है। वक्फ कानून में संशोधन का विरोध विडम्बनापूर्ण होने के साथ देश में अराजकता फैलाने का माध्यम बना हुआ है। वक्फ कानून में संशोधन के तहत किसी मस्जिद, मदरसे आदि को लेकर किसी भी तरह के नुकसान, कब्जा करने या दखल की बात नहीं कही गयी है। इसके विरोधी चाहे जो तर्क दें, इससे कोई इंकार नहीं कर सकता कि वक्फ बोर्ड भ्रष्टाचार का अड्डा बने हुए थे और सरकारी-निजी जमीनों पर मनमाने तरीके से दावा कर दिया करते थे। उनकी इस मनमानी का शिकार अनेक मुस्लिम भी थे। क्या वक्फ कानून के विरोधी यह बताने की स्थिति में हैं कि वक्फ बोर्डों ने अभी तक कितने गरीब मुसलमानों की सहायता की? यह पहली बार नहीं है, जब किसी कानून के खिलाफ सड़कों पर उतरकर उपद्रव, हिंसा, आगजनी की जा रही हो। इसके पहले नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ भी ऐसा ही किया गया था। तब यह झूठ फैलाया जा रहा था कि इस कानून के जरिये मुसलमानों की नागरिकता छीन ली जाएगी। अब यह झूठ फैलाया जा रहा है कि नए वक्फ कानून के जरिये सरकार मस्जिदों और कब्रिस्तानों पर कब्जा करना चाहती है। यह निरा झूठ और शरारत ही है। वक्फ कानून के विरोधी भले ही लोकतंत्र और संविधान की दुहाई दे रहे हों, लेकिन ये उसकी धज्जियां ही उड़ा रहे हैं। वे वक्फ कानून पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले की प्रतीक्षा करने के लिए तैयार नहीं। मुर्शिदाबाद हिंसा के जरिए पूरे बंगाल में हिंसा फैलाने का प्लान तुर्की में बनाया गया था, इसके जरिए बंगाल के हालात भी ठीक बांग्लादेश की तरह करने की कोशिश थी। हिंसा को लेकर बाकायदा एक लिस्ट तैयार की गई थी कि कौन कहां नुकसान करेगा और लूटपाट मचाएगा। इसके साथ ही इनाम देने को लेकर योजनाएं बनाई गयी। हिंसा के दौरान इस बात का खास ध्यान देने का अलर्ट किया गया कि रेल और नॉर्मल ट्रांसपोर्ट न चल पाए। मौका मिलने पर हिंदुओं की हत्या करना भी टारगेट था। कुछ हिन्दुओं को मारा भी गया है। हिंदुओं के घरों के साथ मंदिरों पर हमले किए गए, घर जलाए गए, आजीविका नष्ट की गई, बलात्कार की धमकियां दी गयी, उससे यही स्पष्ट हो रहा है कि नए वक्फ कानून का विरोध करने वाले न केवल सांप्रदायिक घृणा में डूबे हैं, अराजकता एवं उन्माद पर सवार है, आतंकी माहौल बनाकर हिन्दुओं को भयभीय-आतंकित करना चाहते है। क्योंकि उन्हें यह भरोसा है कि ममता बनर्जी की सरकार और उनकी पुलिस उनके खिलाफ कुछ नहीं करने वाली। ज्यादा चिन्ताजनक तो यह है कि अराजक लोग चाहते हैं पलायन करने के लिए मजबूर लोग फिर कभी अपने घरों को न लौट पाएं। इन जटिल एवं अनियंत्रित होते अराजक हालातों में शांति, सौहार्द एवं सामान्य हालातों को निर्मित करने के लिये आवश्यक है कि केंद्र सरकार बंगाल में हस्तक्षेप करने के लिए आगे आए, बल्कि यह भी अपेक्षित है कि सुप्रीम कोर्ट वहां के हालात का स्वतः संज्ञान ले। उसे वक्फ कानून विरोधी हिंसक तत्वों के उपद्रव के लिए ममता सरकार को जवाबदेह बनाना ही होगा। ममता वोट बैंक की राजनीति के लिये कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था की धज्जियां बार-बार उड़ाती रही है। ममता ने देश की एकता-अखंडता और सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को नजरअंदाज किया है, कानून से खिलवाड़ जितना पश्चिमी बंगाल में हुआ है उतना शायद ही देश के किसी दूसरे राज्यों में हुआ हो। ममता अपने बलबूते चुनाव जीतने का माद्दा रखती है तो फिर हिंसा का सहारा क्यों लेती है? अराजकता फैलाकर अपने ही शासन को क्यों दागदार बनाती है? क्यों अपने प्रांत की जनता को डराती है, भयभीत करती है? क्या ये प्रश्न ममता की राजनीतिक छवि पर दाग नहीं है? ममता एवं तृणमूल कांग्रेस का एकतरफा रवैया हमेशा से समाज को दो वर्गों में बांटता रहा है एवं सामाजिक असंतुलन तथा रोष का कारण रहा है। ताजा हिंसक हालात इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है कि किसी भी एक वर्ग की अनदेखी कर कोई भी दल राजसत्ता का आनंद नहीं उठा सकता। राज्य में शीर्ष संवैधानिक पद पर रहते हुए भी ममता बनर्जी ने अलोकतांत्रिक, गैर-कानूनी एवं राष्ट्र-विरोधी कार्यों को अंजाम दिया है।

सूडोकु नवताल- 7403

★★★✩✩ मध्यम

		8				1	5	
2					1	8		
3			4		6	7		9
5					9			
	9		2	3	4		7	
			1					8
4		7	6		5			1
		6	7					4
	5	3				2		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7402 का हल

3	9	7	5	2	1	4	8	6
5	4	2	9	6	8	7	1	3
8	6	1	3	7	4	9	5	2
2	8	9	1	5	3	6	4	7
4	7	3	2	8	6	5	9	1
6	1	5	4	9	7	2	3	8
9	3	4	7	1	2	8	6	5
7	5	6	8	3	9	1	2	4
1	2	8	6	4	5	3	7	9

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसः अजूबा नहीं

विवेक रंजन श्रीवास्तव

एआई कोई अजूबा नहीं, बल्कि मानव मस्तिष्क की ही एक उपज है। यह हमारी जीवनशैली को अधिक आरामदायक, सुलभ और प्रभावशाली बना सकती है- बशर्ते हम इसे विवेक और संतुलन के साथ अपनाएँ। विद्यालय के दिनों में विज्ञानः लाभ और हानि जैसे विषयों पर भाषण, वाद-विवाद और निबंध लिखना आम बात थी। समय बदला, विज्ञान ने रोज़मर्रा की ज़िंदगी में पहले रेडियो, फिर टेलीविजन, मोबाइल और अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के रूप में हमारी ज़िंदगी आसान बनाने के लिए हस्तक्षेप बढ़ाया है। आज एआई हमारी बातचीत, सोच, कामकाज, और यहां तक कि निर्णयों तक को प्रभावित कर रहा है। ऐसे में एआई के लाभ और हानि पर विचार करना आवश्यक हो गया है। एआई यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता वह तकनीक है, जो मशीनों को सीखने, तर्क करने और निर्णय लेने में सक्षम बनाती है। वर्ष 2025 में वैश्विक एआई बाज़ार 244.22 बिलियन तक पहुँच चुका है, और 2031 तक इसके 26.6त्न की वार्षिक वृद्धि दर से बढ़ने की संभावना है। यह दर्शाता है कि यह तकनीक केवल भविष्य नहीं, बल्कि वर्तमान की भी एक सशक्त वास्तविकता है।

ए.आई. के लाभ- एआई के उपयोग से दक्षता और उत्पादकता में जबरदस्त वृद्धि हुई है। यह 24/7 कार्य कर सकती है, मानव त्रुटियों को कम करती है, और डेटा विश्लेषण द्वारा निर्णय लेने में सहायता करती है। स्वास्थ्य, वित्त और निर्माण जैसे क्षेत्रों में यह क्रांतिकारी बदलाव ला रही है। उदाहरण के लिए, विनिर्माण इकाइयों में एआई संचालित रोबोट उत्पादन को सुव्यवस्थित करते हैं। एआई आधारित चैटबॉट्स ग्राहक सहायता को बेहतर बनाते हैं- नेटफ्लिक्स की एआई सिफारिशें सालाना 1 बिलियन का मुनाफा कमा रही हैं। स्वास्थ्य के क्षेत्र में एआई नई दवाओं की खोज को गति दे रही है- जैसे नवीडिया और फाइज़र का 80 मिलियन का निवेश। यह खतरनाक कार्यों में मानव जीवन की रक्षा करती है, और पर्यावरणीय मॉडलिंग से जलवायु संकट की समझ को बेहतर बनाती है। एआई का सबसे बड़ा योगदान यह है कि यह हर व्यक्ति के पास जानकारी और समाधान की पहुंच संभव बनाता है। इसके चलते शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार के नए द्वार खुल रहे हैं।

ए.आई. के नुकसान - हर क्रांति की एक कीमत होती है। एआई के आगमन से स्वचालन बढ़ा है, जिससे पारंपरिक नौकरियों पर खतरा मंडरा रहा है। एचआर, ग्राहक सेवा, लेखांकन जैसे क्षेत्रों में मानव संसाधनों की आवश्यकता घट रही है। एआई को लागू करने की लागत भी ऊँची है-हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर, और विशेषज्ञों की ज़रूरत छोटे व्यवसायों के लिए चुनौती है। गोपनीयता की बात करें तो एआई विशाल डेटा पर आधारित है, जिससे डेटा उल्लंघन, निगरानी, और एल्गोरिदमिक पक्षपात जैसे खतरे बढ़ जाते हैं। एआई का अत्यधिक उपयोग मानवीय संबंधों और संवेदनशीलता को भी प्रभावित कर सकता है-यह भावनाओं को नहीं समझ सकती, जो कि स्वास्थ्य सेवा और मानसिक परामर्श जैसे क्षेत्रों में ज़रूरी हैं। भविष्य की सबसे बड़ी चिंता यह है कि एआई कहीं ऐसी दिशा में न बढ़ जाए, जहाँ उसका नियंत्रण मानव के हाथों से निकल जाए। जनरेटिव एआई कभी-कभी भ्रामक जानकारी भी दे सकता है, जिससे भ्रम की स्थिति उत्पन्न होती है। यह मानना होगा कि एआई मानव का विकल्प नहीं, सहायक है। हमें इससे भयभीत होने की बजाय इसके लाभों का विवेकपूर्ण उपयोग करना चाहिए, और इसकी सीमाओं को समझते हुए मानवीय संवेदनाओं, कला, संस्कृति और मौलिकता की रक्षा करनी चाहिए। एआई हमारे समय की वह क्रांति है, जो सही दिशा में उपयोग हो तो मानव जाति के लिए वरदान साबित हो सकती है-और गलत दिशा में गई तो चुनौती। ज़रूरत है इसे नियंत्रित नवाचार के सकारात्मक रास्ते पर आगे बढ़ाने की। जहां मानवीय क्षमता कुछ वर्किंग घंटे प्रतिदिन से अधिक नहीं हो सकती, ऐ आई हमारे लिए चौबीसों घंटे बिना थके लगातार काम कर सकता है। हम किसी काम को आज की जगह कल पर टाल सकते हैं, किंतु ए आई तुरत फुरत ही काम निपटाता है। बस हमें इसे सही प्राम्पट देने की आवश्यकता होती है। इसलिए ए आई के बढ़ते प्रयोग से प्राम्पट इंजीनियरिंग में रोजगार बढ़ भी रहे हैं । यह इस नई टेक्नोलॉजी का सकारात्मक प्रभाव है।

मेष राशिः आज आपका दिन शुभ रहने वाला है। शिक्षकों के लिए आज का दिन शानदार रहने वाला हैं। आपको जल्द ही बड़ी सफलता मिलने वाली है। अगर आप अपनी पढ़ाई पूरी कर चुके हैं, तो आपको किसी अच्छी कंपनी से जॉब का ऑफर मिल सकता है। सिविल सेवा करने वाले लोग आज कुछ नया करेंगे। आज आपका पारिवारिक जीवन खुशहाल रहेगा।

वृष राशिः आज आपके लिए दिन बेहतरीन रहने वाला है। आपको नौकरी में तरक्की के साथ-साथ आपकी इनकम में इंक्रीमेंट होने के योग हैं। आपका पारिवारिक जीवन अत्यंत सुखद रहने वाला है। आप अपने लक्ष्य को पाने के लिए तत्पर रहेंगे। आपके वैवाहिक जीवन में सुंदर तालमेल बना रहेगा। संतान की तरफ से आपको किसी प्रकार की खुशखबरी मिलेगी।

मिथुन राशिः आज आपका दिन खुशहाल बीतेगा। आज आपका मन प्रसन्न रहेगा। लेखन आदि कार्यों से आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। कार्यस्थल पर अफसरों के साथ सद्भाव बनाकर रखेंगे। आपको तरक्की के कई मौके मिलेंगे। आप अपनी कड़ी मेहनत और सकारात्मक व्यवहार के जरिए कठिन परिस्थितियों से बाहर निकलेंगे। पैसों के लेन-देन में थोड़ा सतर्क रहें। आपका दांपत्य जीवन अच्छा रहेगा।

कर्क राशिः आज आपके लिए अनुकूल परिस्थितियां रहेंगी। आज आप किसी खेलकूद में हिस्सा ले सकते हैं। बिजनेस करने वालों को किसी अच्छी कंपनी से जुड़कर बिजनेस को बढ़ाने का सुनहरा मौका मिलेगा। बिजनेस से संबंधित यात्रा करनी पड़ेगी। आज आप कुछ अनुभवी लोगों से मिलेंगे। व्यापार में आपको काफी अच्छे फायदे देखने को मिलेंगे।

सिंह राशिः आज आपके लिए दिन पॉजिटिव रहेगा। ऑफिस में कलीग्स के साथ अच्छा तालमेल बना रहेगा। सीनियर्स आपके काम से प्रसन्न होंगे। आपके लिए पदोन्नति के आसार हैं। कार्यस्थल पर समझदारी पूर्वक लिए गए फैसले आपको बेहतर परिणाम देंगे। आपके कार्यों में जीवनसाथी का सहयोग आपको आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करेगा। इस दौरान कार्यस्थल पर बाहर का खाना खाने से बचें।

कन्या राशिः आज आपका दिन खास रहने वाला है। किसी पुरानी जमीन जायदाद से आपको अच्छा लाभ मिलेगा। आपको सरकारी क्षेत्र में अच्छी नौकरी मिलेगी। आप और आपका परिवार बहुत खुश होगा। आपकी आमदनी अच्छी रहेगी। आप अपने परिवारवालों को किसी बड़े रेस्टोरेंट में ट्रीट देंगे। लवमेट के लिए बेहतरीन समय है। आज आपके पारिवारिक रिश्तों में मजबूती आएगी।,

तुला राशिः आज आपका दिन आनंद और उत्साह से भरपूर रहेगा। कार्यक्षेत्र में आप अपने काम में कुछ नए विचार लाएंगे। आपका सकारात्मक रवैया ही आपको नौकरी में तरक्की दिलाएगा। आपके बॉस आपको एप्रिशिएट करेंगे। आपके सगे संबंधी आपके सहयोग के लिए तत्पर रहेंगे। आज आपका, आपके मनपसंद जगह पर ट्रांसफर होगा। आज उम्मीद से अधिक लाभ की संभावना है।

वृश्चिक राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। यदि आप कंस्ट्रक्शन के बिजनेस से जुड़े हुए हैं तो आपके के लिए लाभ के योग हैं आप अपने काम में कुछ परिवर्तन लाने का मन बना सकते हैं। दांपत्य रिश्ते को और मजबूत बनने के लिए जीवनसाथी को उपहार देंगे।

धनु राशिः आज आपका दिन खुशहाल बीतेगा। शिक्षा से संबंधी आपकी मनोकामना पूरी होगी। आपको परीक्षा में अच्छे अंकों के साथ रिजल्ट मिलेंगे। अच्छे कॉलेज में आप एडमिशन पाएंगे। आगे चलकर आपको नये सुनहरे अवसर मिलने की संभावना बढ़ेगी। आप अपने खानपान पर ध्यान रखेंगे। जिससे आपकी सेहत फिट एण्ड फाइन रहेगी।

मकर राशिः आज आपका दिन पाज़िटिव रहेगा। बिजनेस के सिलसिले में बनाई गई योजनाएं कारगर साबित होगी। आपके लिए धन लाभ की संभावना बढ़ेगी?। मास कम्युनिकेशन के छात्रों के लिए खास अवसर मिलने की संभावना है। आपके अंदर कलात्मक चीजों के प्रति उत्साह पैदा होगा। आप किसी क्राफ्ट एग्जीबिशन में मित्रों के साथ जा सकते हैं। **कुंभ राशिः** आज का दिन आपके लिए सफलता दिलाने वाला है। नौकरी ढूंढ रहे युवाओं को अच्छी नौकरी मिलने के योग हैं। प्रापर्टी डीलर का काम करने वालों के कामकाज बेहतर रहेंगे। मास्टर डिग्री ले रहे हैं तो आपको कैंपस सलेक्शन में अच्छी नौकरी मिल सकती हैं। आपकी आर्थिक स्थिति काफी अच्छी रहेगी।

मीन राशिः आज आपका दिन उत्साह से भरपूर रहेगा। आपको किसी अच्छी कंपनी से जॉब के लिए ऑफर मिलेगा। जिससे आपका भविष्य सुरक्षित होगा। आपकी मेहनत के अच्छे परिणाम मिलेंगे। आपके काम करने के तरीकों में बदलाव आएगा। आपका वैवाहिक जीवन खुशियों से भरपूर रहेगा। जीवनसाथी के साथ अच्छा समय बिताएंगे।

डिजिटल दुनिया का मानसिक बोझः जब स्टेटस छीनने लगे चैन

प्रियंका सौरभ

आज के डिजिटल युग में सोशल मीडिया हमारे मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव डाल रहा है। स्टेटस, प्रोफाइल और पोस्ट के ज़रिये लोग अपनी ज़िंदगी का चमकदार पक्ष दिखाते हैं, जिससे दूसरों में असंतोष, ईर्ष्या और आत्म-संदेह पैदा होता है। यह तुलना और जिज्ञासा धीरे-धीरे मानसिक अशांति का कारण बन जाती है। सोशल मीडिया के इस्तेमाल में अनुशासन अपनाना ज़रूरी है, जैसे सीमित समय देना, जरूरी चीजें ही देखना और अपनी निजी सीमाएं तय करना। मानसिक संतुलन बनाए रखने के लिए डिजिटल डिटॉक्स, आत्मचिंतन और वास्तविक जीवन के अनुभवों पर ध्यान देने की ज़रूरत है। चैन और शांति बाहरी दुनिया से नहीं, बल्कि आंतरिक अनुशासन और सोच से मिलती है। सोशल मीडिया एक उपकरण है, इसका इस्तेमाल समझदारी से किया जाए तो यह जोड़ता है, वरना तोड़ भी सकता है। आज का युग तकनीक और सूचना का युग है। हम एक क्लिक में दुनिया की हर खबर, हर चेहरे और हर भावना से जुड़ जाते हैं। सोशल मीडिया के माध्यम से हम अपने दोस्तों, रिश्तेदारों और यहाँ तक कि अजनबियों की ज़िंदगियों का हिस्सा भी बनते जा रहे हैं। यह सुनने में जितना सुखद लगता है, असलियत में उतना ही बोझिल और मानसिक रूप से थकाने वाला हो सकता है। अब सवाल पैदा होता है कि सोशल मीडिया जुड़ाव या जाल? जब फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप और ट्विटर जैसे प्लेटफॉर्म बने थे, तो उद्देश्य था कि लोगों को जोड़ना, संवाद बढ़ाना और दुनिया को करीब लाना। लेकिन धीरे-धीरे यह जुड़ाव एक आभासी होड़ में बदल गया। अब पोस्ट, स्टेटस और प्रोफाइल पिक्चर के पीछे छिपा होता है एक दिखावे का संसार। हम अपने जीवन के सबसे सुंदर पल ही दूसरों को दिखाते हैं, जैसे हँसी, सैर, सफलता, रिश्ते। लेकिन दुख, तनाव, विफलता, अकेलापन, यह सब छिपा लेते हैं। दिक्कत तब शुरू होती है जब एक आम व्यक्ति, जो एक सामान्य ज़िंदगी जी रहा है, इन 'परफेक्ट ज़िंदगी' वाले स्टेटस और पोस्ट्स को देखकर अपने जीवन को छोटा, अधूरा और असफल समझने लगता है। वह तुलना करने लगता है – 'उसे इतनी सफलता मिल रही है, मैं कहाँ हूँ?' 'वो घूमने गया, मेरे पास तो वक्त भी नहीं है।' 'उसकी लाइफ कितनी परफेक्ट है, मेरी क्यों नहीं?' यही तुलना धीरे-धीरे मानसिक तनाव, ईर्ष्या, आत्म-संदेह और यहां तक कि अवसाद (डिप्रेशन) का कारण बन जाती है। सुख की चोरीः दूर बैठा इंसान भी छीन सकता है चैनयह एक कड़वी सच्चाई है कि आज कोई इंसान आपको बिना एक शब्द बोले, बिना संपर्क किए, सिर्फ एक स्टेटस लगाकर आपकी नींद उड़ा सकता है। लोग अपनी ज़िंदगी के सबसे चमकदार हिस्से पोस्ट करते हैं, जिससे दूसरों को लगता है कि वो हमेशा खुश हैं। यह आभासी दिखावा हमारे मन को बेचैन कर देता है। हमें लगता है कि हम कुछ पीछे रह गए हैं, हम 'अपर्याप्त' हैं। कुछ लोग तो ऐसे होते हैं जो जानबूझकर स्टेटस, फोटो या स्टोरी इस अंदाज़ में लगाते हैं कि दूसरों को चुभे। यह डिजिटल दुनिया का 'पैसिव एग्रेसन' है, जहाँ न तो कोई सीधे कुछ कहता है, न ही सीधे हमला करता है – लेकिन फिर भी मन में गहराई तक असर करता है। जिज्ञासा या आत्म-प्रवंचना?हमें अक्सर आदत हो जाती है, हर रोज़ चेक करना कि किसने क्या पोस्ट किया, किसकी ज़िंदगी में क्या चल रहा है, कौन कहाँ घूम रहा है, किसकी शादी हुई, किसको प्रमोशन मिला। यह जिज्ञासा धीरे-धीरे एक व्यसन बन जाती है । एक ऐसा नशा जो हमारी मानसिक ऊर्जा को चूसने लगता है। हम हर किसी की प्रोफाइल में झाँकते हैं, उनके फॉलोअर्स गिनते हैं, उनके रिश्तों का अंदाज़ा लगाते हैं और कई बार बिना ज़रूरत के अपने मन को अशांत करते हैं। यह आदत न तो हमें कोई ज्ञान देती है, न कोई वास्तविक खुशी । उल्टा हमारी आत्म-संतुष्टि को मार देती है। मन की शांति के लिए डिजिटल अनुशासन ज़रूरीइस समय सबसे बड़ा आत्म-संयम यही है कि हम सोशल मीडिया का प्रयोग एक मर्यादा में करें। ज़रूरत है कि हम 'डिजिटल डिटॉक्स' को अपनाएँ, यानी एक तय समय पर फोन, सोशल मीडिया ऐप्स से दूरी बनाएँ। अपने लिए कुछ नियम बनाएं। सुबह उठते ही सबसे पहले सोशल मीडिया चेक न करें। दिन में सिर्फ 2 या 3 बार ही सोशल मीडिया ओपन करें। स्टेटस, प्रोफाइल या पोस्ट देखकर प्रतिक्रिया देने से पहले सोचें- क्या ये जानकारी मेरे लिए ज़रूरी है? हर बार दूसरों से तुलना करने की बजाय, अपने छोटे-छोटे प्रयासों की सराहना करें। कुछ चीजें निजी रखें, कुछ दूरी ज़रूरी हैहम अक्सर यह भूल जाते हैं कि ज़िंदगी का हर पहलू शेयर करने लायक नहीं होता। अगर हम खुद हर चीज साझा करते हैं तो दूसरों की भी उम्मीद बन जाती है कि वे हमें जज करें। इसीलिए जीवन के कुछ हिस्से को सिर्फ अपने लिए रखें जैसे अपनी सोच, अपनी उपलब्धियाँ, अपने संघर्ष। दूसरों के जीवन में भी बिना चाहे न घुसें। किसी की प्रोफाइल या स्टेटस में झाँकने से पहले सोचें- क्या यह जिज्ञासा है या एक तरह की आत्म-प्रवंचना? क्या यह मुझे ज्ञान दे रही है या बस एक आंतरिक असंतोष? अपने मन को तरोताजा रखेंहर दिन कुछ समय सिर्फ अपने लिए निकालिए, चाहे वह किताब पढ़ना हो, संगीत सुनना, टहलना, योग, ध्यान या अपने किसी शौक को समय देना।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

कप्तान अजिंक्य रहाणे ने लिया केकेआर की हार का जिम्मा, बोले- 'हमने बेहद खराब बल्लेबाजी की'

चंडीगढ़। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 (आईपीएल 2025) में मंगलवार रात कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के खिलाफ 16 रन की हार का सामना करना पड़ा। महज 112 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी केकेआर की टीम 15.1 ओवर में 95 रन पर सिमट गई। मैच के बाद बेहद हताश दिख रहे कप्तान अजिंक्य रहाणे ने हार की जिम्मेदारी लेते हुए कहा कि यह 'बैटिंग यूनिट की सामूहिक नाकामी' थी। मैच के बाद प्रेजेंटेशन में रहाणे ने कहा, "जो भी हुआ वो आप सबने देखा। काफी निराश हूं। मैं इसकी जिम्मेदारी लेता हूं। बतौर कप्तान मैंने भी गलत शॉट खेला, भले ही गेंद मिस कर रही थी, लेकिन वहीं से सिलसिला शुरू हुआ। हमने एक बैटिंग यूनिट के तौर पर बहुत खराब प्रदर्शन किया। हमारे बॉलर्स ने बेहतरीन प्रदर्शन किया था, 111 रन पर पंजाब जैसी मजबूत टीम को रोकना आसान नहीं था।" रहाणे ने माना कि 112 रन का टारगेट चेज़ करना आसान था, लेकिन बल्लेबाज़ों ने लापरवाही से शॉट खेले। उन्होंने यह भी बताया कि अपने विकेट के वक्त उन्होंने डीआरएस नहीं लेने का फैसला इसलिए किया क्योंकि दोनों बैटर्स के बीच कम्युनिकेशन क्लियर नहीं था। उन्होंने कहा, "ऐसा नहीं होना चाहिए था कि मैं रिव्यू ले लूं और फिर बाद में वो एक बचा रहे। कम्युनिकेशन अच्छा नहीं था। शायद अंपायर का कॉल या गेंद लग भी सकती थी। लेकिन कोई शिकायत नहीं है। सच तो यह है कि हमने बैटिंग यूनिट के तौर पर बेहद खराब क्रिकेट खेला।"

चहल ने मचाई तबाही, 7 विकेट सिर्फ 23 रन पर गिरे- रहाणे और अंगकृष रघुवंशी (37 रन, 28 गेंद) ने तीसरे विकेट के लिए 55 रन जोड़कर टीम को संभालने की कोशिश की, लेकिन रहाणे के आउट होते ही मैच का रुख पलट गया। युजवेंद्र चहल ने 4 विकेट लेकर केकेआर की मिडल ऑर्डर की कमर तोड़ दी। आखिरी 7 विकेट महज 23 रन पर गिर गए।

'टी20 सिर्फ सिक्स लगाने का खेल नहीं'- रहाणे ने कहा, "आजकल बैटर्स मैदान पर अच्छे दिखने के लिए बड़े शॉट लगाने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन टी20 क्रिकेट सिर्फ सिक्स-चौकों का खेल नहीं है। हालात को पढ़ना और उसी हिसाब से खेलना ज़रूरी है। हमें उस वक्त सिंगल-डबल लेकर पारी को आगे ले जाना चाहिए था। विकेट फ्लैट नहीं था, बॉलर्स को मदद मिल रही थी। लेकिन हमने ज़रूरी धैर्य और गेम अवेयरनेस नहीं दिखाई।" रहाणे ने कहा, "अभी टूर्नामेंट का आधा हिस्सा बचा है। टीम का कॉन्फिडेंस बना हुआ है। हम अपनी गलतियों को सुधार कर आगे बेहतर क्रिकेट खेलेंगे। अभी तो दिमाग में बहुत कुछ चल रहा है, जब ड्रेसिंग रूम में जाऊंगा तो खुद को शांत रख कर टीम से बात करूंगा।"

युजुवेंद्र चहल का जादू चला, पंजाब ने किया सबसे छोटा स्कोर डिफेंड

मुल्लांपुर। आईपीएल के 31वें मैच में पंजाब किंग्स ने कम स्कोर बनाने के बाद भी कोलकाता नाइट राइडर्स को 16 रन से हरा दिया। और आईपीएल का सबसे छोटा स्कोर डिफेंड कर दिखाया। पंजाब से युजवेंद्र चहल ने 4 विकेट लेकर मैच पलटा। मार्को यानसन ने 3 विकेट लिए। प्रभसिमरन सिंह ने 30 और प्रियांश आर्या ने 22 रन बनाए। कोलकाता से हर्षित राणा ने 3 विकेट लिए। वरुण चक्रवर्ती और सुनील नरेन को 2-2 विकेट मिले। कोलकाता नाइट राइडर्स 112 रन के रन-चेज़ में आसानी से आगे बढ़ रही थी, लेकिन युजवेंद्र चहल ने चार जल्दी विकेट लेकर खेल को पूरी तरह से बदल दिया। 13 ओवर के बाद नाइट राइडर्स का स्कोर 79/8

हो गया । इससे पहले पंजाब किंग्स 111 रन पर ही ऑलआउट हो गई। मुल्लांपुर में मंगलवार को महाराजा यादवेंद्र सिंह स्टेडियम में पंजाब ने बैटिंग चुनी थी। टीम 15.3 ओवर ही टिक सकी। कोलकाता नाइट राइडर्स से हर्षित राणा ने 3 विकेट लिए।

केकेआर में बने रहने मैंने 9 से 10 करोड़ रुपये के प्रस्ताव ठुकराये : रमनदीप

नई दिल्ली। कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) की ओर से खेल रहे युवा ऑलराउंडर रमनदीप सिंह ने कहा है कि मेगा नीलामी से पहले उन्हें दूसरी टीमों से 9 से 10 करोड़ रुपये देने का प्रस्ताव आया था पर उन्होंने केकेआर को नहीं छोड़ा। रमनदीप की पिछले साल केकेआर की खिताबी जीत में अहम भूमिका रही थी। इसी कारण उन्हें कई टीम शामिल करने के लिए तैयार थीं। 2024 में उन्होंने केकेआर के लिए कई अच्छी पारियां खेली थी। यही कारण था कि केकेआर ने उन्हें चार करोड़ रुपये में टीम में बनाये रखा। रमनदीप ने कहा, नीलामी से पहले कई टीम ने मुझसे संपर्क किया था। इसमें मुझसे कहा गया था कि टीम में बने मत रहना, हम आपको नीलामी में 9 से 10 करोड़ रुपये दे सकते है पर मेरे लिए ईमानदारी मायने रखती है क्योंकि जब मुझे जरूरत थी तब

केकेआर ने मुझे मंच दिया था। वहीं इस बार जब रिटेंशन का फैसला होना था, तब वेंकी सर ने फोन करके कहा, 'आप हमारी रिटेंशन योजनाओं में शामि हैं, आप क्या सोच रहे हैं? आखिरकार यह आपका फैसला है। वहीं अगर आप नीलामी में शामिल होते हैं, तो हम आरटीएम के जरिये आपको ले सकते हैं। ' वहींमैंने उनसे कहा कि मुझे रिटेन होने में खुशी होगी क्योंकि एक बार जब आप नीलामी में शामिल हो जाते हैं, तो इस बात की कोई गारंटी नहीं होती कि आप उसी टीम में होंगे और मैं केकेआर नहीं छोड़ना चाहता था। मेरे लिए, कुछ करोड़ कम होने से कोई प्रभाव नहीं पड़ता। मैं उनकी बात का सम्मान करना चाहता था। गौरतब है कि रमनदीप को साल 2022 में मुंबई इंडियंस ने हार्दिक पंड्या के संभावित विकल्प के रूप में चुना था हालांकि जब हार्दिक आईपीएल 2024 से पहले गुजरात टाइटंस से फ्रैंचाइजी में वापस आए, तो उन्हें केवल पांच मैच खेलने के बाद रिलीज कर दिया गया। वहीं नवंबर 2023 में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में बेहतरीन प्रदर्शन के बाद रमनदीप एक बार फिर नजरों में आये। केकेआर ने आईपीएल 2024 से पहले उन्हें शामिल कर लिया। उन्होंने केकेआर के लिए निचले क्रम के फिनिशर के तौर पर खेला। , उन्होंन नौ पारियों में 201.61 की स्ट्राइक रेट से 125 रन बनाए हालांकि इस सत्र में वह अब तक कुछ खास नहीं कर पाये हैं।

आईएसएसएफ विश्व कप : सुरुचि इंदर सिंह ने स्वर्ण, मनु भाकर ने रजत पर किया कब्ज़ा, सौरभ चौधरी को कांस्य

नई दिल्ली। पेरू के लीमा में चल रहे अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) विश्व कप में भारतीय निशानेबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मंगलवार को देश का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया। 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में सुरुचि इंदर सिंह ने स्वर्ण और मनु भाकर ने रजत पदक अपने नाम किया। वहीं, पुरुष वर्ग में सौरभ चौधरी ने कांस्य पदक जीतकर लंबे समय बाद वापसी की।

18 वर्षीय सुरुचि ने मनु को 1.3 अंकों से हराया- सुरुचि इंदर सिंह ने चयन दौर (क्वालिफिकेशन राउंड) में 582 अंकों के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया, जबकि मनु भाकर ने 578 अंकों के साथ अंतिम आठ (फाइनल-8) में जगह बनाई। फाइनल मुकाबले में सुरुचि ने बेहतरीन निशानेबाजी करते हुए 243.6 अंक अर्जित किए और अपनी अनुभवी साथी निशानेबाज मनु भाकर (242.3) को 1.3 अंकों से पीछे छोड़ते हुए स्वर्ण पदक जीत लिया।

सौरभ चौधरी ने 2022 के बाद जीता पहला व्यक्तिगत पदक- पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में सौरभ चौधरी ने भी शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने चयन दौर में 578 अंक बनाकर सातवें स्थान के साथ अंतिम आठ में जगह बनाई। फाइनल में सौरभ ने जोरदार शुरुआत की और शुरुआती दौर के बाद दूसरे

स्थान पर थे। हालांकि, चीन के हु काई ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 246.4 अंकों के साथ स्वर्ण पदक जीता। ब्राज़ील के फेलिप अल्मेडा वू ने 241.0 अंक बनाकर रजत पदक हासिल किया। सौरभ ने 219.1 अंक बनाकर कांस्य पदक प्राप्त किया।

वरुण तोमर और अन्य भारतीय निशानेबाज़ों का प्रदर्शन- अंतिम आठ में पहुंचे एक अन्य भारतीय वरुण तोमर ने 198.1 अंकों के साथ चौथा स्थान प्राप्त किया। चयन दौर में आकाश भारद्वाज ने तीसरे सर्वश्रेष्ठ 583 अंक बनाए, लेकिन वह रैंकिंग अंक हेतु (आरपीओ) के अंतर्गत खेल रहे थे, इसलिए पदक स्पर्धा में भाग नहीं ले सके। रविंदर सिंह (574) और अमित शर्मा (आरपीओ, 573) ने क्रमशः 12वें और 16वें स्थान पर स्थान प्राप्त किया।

ऋषभ को स्ट्राइक रोटेशन में सुधार करना होग : जाफर

मुम्बई। पूर्व भारतीय क्रिकेटर वसीम जाफर ने लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत से कहा है कि उन्हें हर मामले में बेहतर होना होगा। ऋषभ आईपीएल के शुरुआती मैचों में असफल रहे थे पर चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मुकाबले में 63 रन बनाकर उन्होंने अच्छी वापसी की है पर जाफर ने कहा कि उन्हें स्ट्राइक रोटेशन में भी सुधार करना होगा। जाफर ने ऋषभ की बड़े शॉट लगाने के रवैये पर भी बात की। उन्होंने सुझाव दिया कि कप्तान को अपने स्ट्राइक रोटेशन कौशल में सुधार करने की जरूरत है। जाफर ने कहा, मुझे नहीं पता कि वह ऐसा करने की कोशिश करता है या नहीं (स्ट्राइक रोटेट करना) उसी प्रकार चाहिये जिस प्रकार विराट कोहली करते हैं। वह स्ट्राइक से बहुत

अच्छी तरह से दूर हो जाता है, क्योंकि वह हर तरफ खेल सकता है पर ऋषभपंत कभी-कभी अटक जाता है और यही समस्या है। फिर वह बड़ा शॉट लगाने की कोशिश करता है। मुझे लगता है कि उसे स्ट्राइक रोटेट करने में भी होनो होगा है। उन्होंने यह भी बताया कि वह शायद ही कभी सीधे हिट करते हैं, बल्कि लेग साइड की तरफ शॉट खेलना पसंद करते हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने पारी के अंत में एकमात्र सीधा छक्का लगाया और विकेटकीपर बल्लेबाज की लेग साइड की ओर शॉट लगाने की प्रवृत्ति को बताया।

व्यापार

लगातार तीसरे दिन मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, शुरुआती दबाव के बाद उछले सेंसेक्स और निफ्टी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार आज लगातार तीसरे कारोबारी दिन हरे निशान में बंद होने में सफल रहा। आज दिन के पहले सत्र में लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा। मजबूती के साथ खुलने के बावजूद बिकवाली का दबाव बनने पर शेयर बाजार कुछ देर के लिए गिरकर लाल निशान में भी आया, लेकिन दोपहर 2 बजे के करीब खरीदार पूरी तरह से हावी हो गए। खरीदारी के सपोर्ट से शेयर बाजार ने रफ्तार पकड़ ली और सेंसेक्स 77 हजार अंक के स्तर को पार कर गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.40 प्रतिशत और निफ्टी 0.47 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए।आज दिनभर के कारोबार के दौरान ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और एनर्जी सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह एफएमसीजी, रियल्टी, बैंकिंग, आईटी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, मेटल और टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। दूसरी ओर ऑटोमोबाइल, फार्मास्यूटिकल और कैपिटल गुड्स सेक्टर के शेयरों में आज बिकवाली होती रही। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार

खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.62 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.91 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में पौने तीन लाख करोड़ रुपये से भी अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 415 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 412.24 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 2.76 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,078 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,636 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,309 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 133 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,556 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,857 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 699 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 18 शेयर बढ़त के साथ और 12 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 33 शेयर हरे निशान और 17 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 261.89 अंक उछल कर 76,996.78 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बाजार में उतार-चढ़ाव की स्थिति बन गई। बिकवाली के दबाव में यह सूचकांक 191.12 अंक की कमजोरी के साथ 76,543.77 अंक तक गिर गया। हालांकि दोपहर 2 बजे के करीब खरीदारों ने मोर्चा संभाला, जिसके कारण यह सूचकांक निचले स्तर से 560 अंक से अधिक उछाल कर 375.34 अंक की तेजी के साथ 77,110.23 अंक तक पहुंच गया। हालांकि आखिरी वक्त में इंट्रा-डे सेटलमेंट के कारण हुई बिकवाली की वजह से सेंसेक्स ऊपरी स्तर से थोड़ा नीचे गिर कर 309.40 अंक की बढ़त के साथ 77,044.29 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह एनएसई के निफ्टी ने आज 15.55 अंक की मामूली मजबूती के साथ 23,344.10 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद लिवालों और बिकवालों के बीच एक-दूसरे पर हावी होने की कोशिश शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में भी उतार-चढ़ाव होने लगा। बिकवाली के दबाव में यह सूचकांक 55.50 अंक की कमजोरी के साथ 23,273.05 अंक के स्तर तक गिर गया। हालांकि आज का कारोबार खत्म होने के डेढ़ घंटा पहले खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे यह सूचकांक निचले स्तर से 175 अंक से अधिक उछल कर 123.65 अंक की तेजी के साथ 23,452.20 अंक तक पहुंचने में सफल रहा।

विप्रो का चौथी तिमाही में मुनाफा 25.9 फीसदी बढ़कर 3,569 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। देश की चौथी सबसे बड़ी सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी विप्रो ने वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) के नतीजे का ऐलान कर दिया है। 31 मार्च, 2025 को समाप्त जनवरी-मार्च तिमाही में कंपनी का मुनाफा 25.9 फीसदी बढ़कर 3,569.6 करोड़ रुपये हो गया है। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 2,834.6 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी ने बुधवार को शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में कंपनी की आमदनी 22,504.2 करोड़ रुपये रही, जो वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही के 22,208.3 करोड़ रुपये से 1.33 फीसदी की मामूली वृद्धि है। हालांकि पिछले वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही की तुलना में चौथी तिमाही में कंपनी के शुद्ध लाभ में 6.43 फीसदी, तो आमदनी में 0.83 फीसदी की वृद्धि हुई है। विप्रो के मुताबिक पूरे वित्त वर्ष 2024-25 के लिए उसका शुद्ध लाभ 18.9 फीसदी बढ़कर 13,135.4 करोड़ रुपये हो गया। हालांकि, इस अवधि में कंपनी की आमदनी 0.74 फीसदी गिरकर 89,088.4 करोड़ रुपये रही। कंपनी का अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही अप्रैल-जून के लिए आईटी सेवा कारोबार से उसका राजस्व करीब 1.5 फीसदी से 3.5 फीसदी गिरकर 250.5 करोड़ डॉलर से 255.7 करोड़ डॉलर के बीच रहेगा। उल्लेखनीय है कि विप्रो के कर्मचारियों की संख्या बीते वित्त वर्ष में 2,33,346 रही, जबकि इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह 2,32,614 थी। बीएसई पर विप्रो के शेयर आज 1.4 फीसदी की मजबूती के साथ 247.50 रुपये के भाव पर बंद हुए। विप्रो ने नतीजे बाजार बंद होने के बाद जारी किए हैं।

इंडसइंड बैंक के पोर्टफोलियो में लेखा चूक से करीब 2 हजार करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली। इंडसइंड बैंक ने बताया कि वायदा-विकल्प पोर्टफोलियो में लेखा चूक होने से बैंक को करीब 2 हजार करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है, जिसका खुलासा बाहरी एजेंसी की जांच के बाद पता चला है। पिछले महीने बैंक में हुई इस हलचल की खबरें बाहर आने के बाद इंडसइंड के शेयरों में भी बड़ी गिरावट देखी गई थी अब बैंक ने अपने एफएंडओ सौदों से संबंधित विसंगतियों के कारण दिसंबर, 2024 तक अपनी कुल संपत्ति पर 2.27 फीसदी के प्रतिकूल प्रभाव का आकलन किया है। निजी क्षेत्र के इस बैंक ने कहा था कि वायदा-विकल्प पोर्टफोलियो में लेखा संबंधी चूक से दिसंबर, 2024 तक बैंक की कुल संपत्ति पर करीब 2.35 फीसदी का प्रतिकूल प्रभाव पड़ने का अनुमान है। इसके बाद बैंक ने अपने बही-खातों पर हुए प्रभाव और कई

स्तर पर खामियों का पता लगाने व सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देने के लिए बाहरी एजेंसी पीडब्ल्यूसी को नियुक्त किया है। इंडसइंड बैंक ने अपने बही खातों में हुई चूक की जांच के लिए बाहरी एजेंसी पीडब्ल्यूसी को नियुक्त किया है, जिसने मामले का खुलासा किया है। इंडसइंड बैंक ने शेयर बाजार को बताया कि एजेंसी ने अपनी रिपोर्ट में 30 जून, 2024 तक बही खाते में हुई चूक के नकारात्मक प्रभाव को 1,979 करोड़ रुपए आंका है। बैंक ने बताया कि उसके 2024-25 की फाइनेंशियल डिटेल में इसके प्रभाव को उचित रूप से दर्शाया जाएगा और एफएंडओ को लेकर भविष्य में ज्यादा सतर्कता बरती जाएगी। इंडसइंड बैंक के बोर्ड ने लेखा खामियों के फॉरेंसिक ऑडिट के लिए ग्लोबल एजेंसी ग्रांट थॉर्नटन को भी नियुक्त किया है। ग्रांट थॉर्नटन बैंक में आई विसंगतियों के मूल कारण की पहचान करने और प्रचलित लेखा मानकों के संबंध में वायदा-विकल्प अनुबंधों की व्यापक जांच करेगा। इसके अलावा फर्म लेखांकन में विसंगतियों के लिए जवाबदेही तय करेगी। इंडसइंड बैंक में इस चूक की खबर सामने आने के बाद मार्च में बैंक के शेयरों में लगातार गिरावट देखी गई है। इससे बैंक का स्टॉक 52 सप्ताह के निचले स्तर पर चला गया था। 12 मार्च को बैंक के शेयरों का भाव 606 रुपए तक चला गया था। बाद में इसमें तेजी से सुधार आया और 15 अप्रैल को बैंक के शेयर 735.50 रुपए के भाव पर बंद हुए थे।

अमेरिका लगातार चौथी बार भारत का शीर्ष व्यापारिक साझेदार, चीन से व्यापार घाटा बढ़ा

नई दिल्ली। टैरिफ तनातनी के बीच वित्त वर्ष 2024-25 में अमेरिका लगातार चौथी बार भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बना रहा है। इस वित्त वर्ष में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 131.84 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। इसके विपरीत चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा बढ़कर 99.2 अरब डॉलर हो गया है, जो वित्त वर्ष 2023-24 में 85.07 अरब डॉलर रहा था। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के आंकड़ों से पता चला है कि अमेरिका के साथ भारत का व्यापार और वाणिज्य मजबूत स्थिति में बना हुआ है, जबकि चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा लगातार बढ़ रहा है। अमेरिका के साथ भारत के व्यापारिक संबंध लगातार मजबूत होते जा रहे हैं, जबकि चीन के साथ उसका घाटा बढ़ता जा रहा है। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत का अमेरिका को निर्यात 11.6 फीसदी बढ़कर 86.51 अरब डॉलर हो गया, जबकि

वित्त वर्ष 2023-24 में यह 77.52 अरब डॉलर था। आंकड़ों में बताया गया कि इस दौरान आयात में 7.44 फीसदी की वृद्धि हुई और यह 45.33 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जबकि वित्त वर्ष 2023-24 में यह 42.2 अरब डॉलर था। व्यापार अधिशेष अमेरिका के साथ पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में 41.18 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जो वित्त वर्ष 2023-24 में 35.32 अरब डॉलर रहा था। भारत का मुख्य निर्यात अमेरिका को औषधि निर्माण, दूरसंचार उपकरण, कीमती पत्थर, पेट्रोलियम उत्पाद, और आभूषण शामिल हैं।

आंकड़ों के मुताबिक चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा बढ़ा है, क्योंकि- वित्त वर्ष 2024-25 में चीन को भारत का निर्यात 14.5 फीसदी घटकर 14.25 अरब डॉलर रह गया, जबकि वित्त वर्ष 2023-24 में यह 16.66 अरब डॉलर था। हालांकि, वित्त वर्ष 2024-25 में आयात 11.52 फीसदी बढ़कर 113.45 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जबकि वित्त वर्ष 2023-24 में यह 101.73 अरब डॉलर था। चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा पिछले वित्त वर्ष में करीब 17 फीसदी बढ़कर 99.2 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया, जो 2023-24 में 85.07 अरब अमेरिकी डॉलर था। वाणिज्य मंत्रालय के मुताबिक चीन वित्त वर्ष 2024-25 में 127.7 अरब अमेरिकी डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार के साथ भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बना रहा। दोनों देशों के बीच वित्त वर्ष 2023-24 में 118.4 अरब अमेरिकी डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार हुआ था। चीन वित्त वर्ष 2013-14 से वित्त वर्ष 2017-18 तक और वित्त वर्ष 2020-21 में भी भारत का शीर्ष व्यापारिक साझेदार था। आंकड़ों के मुताबिक संयुक्त अरब अमीरात वित्त वर्ष 2024-25 में 100.5 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार के साथ भारत का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार रहा था। वित्त वर्ष 2021-22 से अमेरिका सबसे बड़ा साझेदार है। दरअसल, भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार आने वाले वर्षों में तेजी से बढ़ने की उम्मीद है। दोनों देश एक व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहे हैं। इसका उद्देश्य 2030 तक वस्तुओं व सेवाओं में द्विपक्षीय व्यापार को वर्तमान 191 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़ाकर 500 अरब अमेरिकी डॉलर करना है।

अब की बार अर्जुन सरकार रोंगटे खड़े कर देगा नानी की हिट 3 का ट्रेलर, पुलिस अधिकारी बन छाए अभिनेता

नानी अपनी अपकमिंग पुलिस ड्रामा हिट 3 की रिलीज के लिए पूरी तरह तैयार हैं, जिसका निर्देशन सैलेश कोलानू ने किया है. मेकर्स ने लंबे इंतजार बाद फिल्म का ट्रेलर रिलीज कर दिया है. 3 मिनट 31 सेकंड की यह क्लिप अर्जुन सरकार से शुरू होती है और पूरे ट्रेलर में उनका खौफनाक अवतार देखने को मिलता है. वह अपने अतीत से जूझता है, जिसके कारण उसका स्वभाव गुस्सैल हो जाता है. जैसे-जैसे नानी की हिट 3 का ट्रेलर आगे बढ़ता है सस्पेंस और खौफ भी बढ़ता जाता है. ट्रेलर में नानी अपने अतीत के बारे में सोच सोचकर एक गुस्सैल इंसान बन जाता है. ट्रेलर शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा, आपने कई पुलिस की कहानियां देखी हैं, लेकिन यह एक बहुत अलग है. न्याय की जंग के साथ अर्जुन सरकार के युद्ध के मैदान में आपका स्वागत है. हिट 3 का ट्रेलर धमाकेदार एक्शन और डायलॉग से भरपूर है, नानी की आंखें ही खौफ और सस्पेंस पैदा करने के लिए काफी है. उनका किरदार खुद को अतीत में उलझा हुआ पाता है और गुस्सा इसी का परिणाम है. आखिरी में एक डायलॉग है, अब की बार अर्जुन सरकार. अफवाह यह है कि हिट 3 चौथे पार्ट के लिए लीड पेश देगा, जो कोई और नहीं बल्कि कार्थी है. यह देखना अभी बाकी है कि तमिल एक्टर आगे फिल्म फ्रैंचाइजी में दिखते हैं कि नहीं. तीसरे पार्ट की बात करें तो की बात करें तो हिट 3 में नानी के साथ श्रीनिधि शेट्टी, सूर्या श्रीनिवास, राव रमेश, आदर्श बालकृष्ण, ब्रह्माजी जैसे कलाकार खास रोल में हैं. शैलेश कोलानू निर्देशित यह फिल्म 1 मई 2025 को बड़े पर्दे पर आएगी. इसका निर्माण वॉल पोस्टर सिनेमा और यूनिनस प्रोडक्शंस ने किया है. नानी इसमें लीड रोल प्ले कर रहे हैं. इस फिल्म में एक स्ट्रांग टेक्निकल टीम है जिसमें सानू जॉन वर्गीस, म्यूजिशियन के रूप में मिकी जे मेयर, एडिटर के रूप में कार्तिका श्रीनिवास आर और प्रोडक्शन डिजाइनर के रूप में श्री नागेंद्र तंगाला शामिल हैं.

मास जतारा का गाना तू मेरा लवर हुआ रिलीज

रवि तेजा और श्रीलीला का दिखा किलर डांस

मास महाराजा रवि तेजा की फिल्म मास जतारा को लेकर प्रशंसक बेहद उत्साहित हैं। इस फिल्म का रोमांटिक सॉन्ग तू मेरा लवर कुछ ही देर पहले रिलीज हुआ है। इस गाने को प्रशंसक बेहद पसंद कर रहे हैं और लगातार अपनी राय शेयर कर रहे हैं। भानु बोगावरापु द्वारा निर्देशित फिल्म मास जतारा पूरी तरह से लोगों को आकर्षित करने का वादा करती है, जिसमें श्रीलीला रवि तेजा के साथ मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म का गाना तू मेरा लवर 1 घंटे पहले ही रिलीज किया गया है। यूट्यूब पर इसे 1 घंटे में 2 लाख से ज्यादा के व्यूज मिल चुके हैं। टीम ने पहले सिंगल तू मेरा लवर के साथ संगीत प्रमोशन शुरू किया। फिल्म का संगीत भीम्स सेसिरोलीओ ने तैयार किया है। वैसे इस फिल्म के अलावा भी भीम्स, रवि तेजा की कई फिल्मों के चार्टबस्टर्स दे चुके हैं। रिपोर्ट के अनुसार, यह गाना दिवंगत संगीत निर्देशक चकरी गरु को श्रद्धांजलि है, जिन्होंने रवि तेजा को सुपरहिट गाने दिए थे। एआई का उपयोग करते हुए, टीम ने उनकी आवाज को फिर से बनाया, जिसमें स्वर खुद भीम्स द्वारा दिए गए थे। फिल्म मास जतारा को नागा वामसी और साई सौजन्या द्वारा सिथारा एंटरटेनमेंट्स और फॉर्च्यून फोर सिनेमाज के तहत निर्मित है। मास जथारा जुलाई के तीसरे सप्ताह में सिनेमाघरों में रिलीज हो जाएगी। रवि तेजा और श्रीलीला का गाना तू मेरा लवर प्रशंसकों को बेहद पसंद आ रहा है। इसका अनुमान आप इनके कमेंट से कर सकते हैं। एक यूजर ने लिखा, विंटेज रवितेजा वापस आ गया है, एक और यूजर ने लिखा, चकरी गारी की आवाज को फिर से बनाने के लिए एआई का उपयोग देखना बहुत अच्छा लगा, एक और यूजर ने लिखा, जय रवि तेजा अन्ना, एक और यूजर ने लिखा, श्रीलीला और रवि तेजा की जोड़ी मस्त है।

जमुनीया, जामुन के फल की तरह ही कई गुणों से भरपूर है, मेरा किरदार सिर्फ उसके रूप तक सीमित नहीं है : आलेया घोष

शेमारू उमंग पर प्रसारित जमुनीया शो अपने प्रसारण के बाद से ही दर्शकों का दिल छू रहा है और समाज में खूबसूरती, स्वीकृति और आंतरिक शक्ति को लेकर एक महत्वपूर्ण चर्चा छेड़ रहा है। यह कहानी जमुनीया नाम की एक लड़की की है, जो अपने सांवले रंग के कारण समाज की आलोचना का शिकार होती है। एक ऐसी दुनिया में जहाँ सुंदरता को अक्सर गोरेपन से जोड़ा जाता है, उसके लिए हर दिन एक नई चुनौती होता है। लेकिन, जमुनीया हार मानने

वालों में से नहीं है, वह अपने आत्मविश्वास और साहस से इन भेदभावों का डटकर सामना करती है। शो के नाम और इसके गहरे अर्थ के बारे में बात करते हुए मुख्य अभिनेत्री आलेया घोष कहती हैं, जमुनीया, जामुन के फल की तरह ही कई गुणों से भरपूर है। जैसे जामुन सेहत के लिए लाभकारी होता है, वैसे ही मेरा किरदार जमुनीया सिर्फ अपनी बाहरी सुंदरता तक ही सीमित नहीं है। वह निडर है और हमेशा सच के लिए खड़ी होती है। मौजूदा कहानी में, उसने खुद को बखूबी साबित किया है और वह जानती है कि अपने हक के लिए कैसे लड़ना है। वह किसी को भी खुद पर अन्याय नहीं करने देगी और अपने पति की रक्षा के लिए किसी भी हद तक जाएगी, भले ही उसका पति और परिवार उसे उसके रूप के कारण स्वीकार न करें। लोग अक्सर रूप-रंग के आधार पर निर्णय लेते हैं, लेकिन असली सुंदरता साहस, विनम्रता और आत्मबल में होती है। अब समय आ गया है कि हम त्वचा के रंग से आगे बढ़ें और अपने अंदर के हीरो को पहचानें। जमुनीया का दुनिया का नज़रिया बदलने को लेकर उसकी संघर्ष से भरी यात्रा के ज़रिए, यह शो एक सशक्त संदेश देता है। सौंदर्य सिर्फ चेहरे की सुंदरता में नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, संकल्प और सच्चे दिल में होता है। देखिए जमुनीया शो, हर सोमवार से शनिवार, रात 8:00 बजे, सिर्फ शेमारू उमंग पर!

जाट बनाम गुड बैड अग्ली कलेक्शन डे 4: तारा सिंह ने बॉक्स ऑफिस पर उड़ाया गर्दा, अजित कुमार स्टारर ने भी की ताबड़तोड़ कमाई

10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज हुई सनी देओल की जाट और अजित कुमार की गुड बैड अग्ली को रविवार की छुट्टी का फायदा मिला. दोनों फिल्मों ने ताबड़तोड़ कमाई की और पिछले 3 दिनों से ज्यादा का कलेक्शन किया. जाट ने शनिवार की तुलना में 43.59 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की वहीं गुड बैड अग्ली ने भी शानदार कमाई का रिकॉर्ड बनाया. तो चलिए जानते हैं दोनों फिल्मों की बॉक्स ऑफिस पर कमाई. 9.5 करोड़ के साथ ओपनिंग करने वाली जाट ने दूसरे और तीसरे दिन 7 और 9.75 करोड़ की कमाई की. वहीं आज चौथे दिन सैकनिल्क के मुताबिक फिल्म ने बड़ी उड़ान भरते हुए डबल डिजिट में कलेक्शन किया यानि फिल्म ने 43.59 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 14 करोड़ रुपये कमाए. इस तरह फिल्म का चार दिनों का कलेक्शन 40.25 करोड़ हो गया है. फिल्म जल्द ही हाफ सेंचुरी लगाने के लिए तैयार है. अजित कुमार स्टारर गुड बैड अग्ली की बात करें तो फिल्म ने 29.25 करोड़ के साथ बॉक्स ऑफिस पर

ओपनिंग की थी. जिसके बाद दूसरे और तीसरे दिन 15 और 19.75 करोड़ कमाए. अब आज चौथे दिन फिल्म ने 20.50 करोड़ की कमाई की है जिसके साथ ही फिल्म की टोटल कमाई 84.50 करोड़ हो गई है. अब तक गुड बैड अग्ली की कमाई डबल डिजिट में ही हुई है और अगर ऐसा ही रहा तो फिल्म जल्द ही 100 करोड़ का आंकड़ा पार करेगी. जाट में सनी देओल ने लीड रोल प्ले किया है और रणदीप हुड्डा इसमें विलेन बने हैं. इनके साथ ही फिल्म में रेजिना कैसंड्रा, जगपति बाबू, विनीत कुमार सिंह, सैयामी खेर, राम्या कृष्णन जैसे कलाकार मौजूद हैं. फिल्म को गोपीचंद मालिनेनी ने डायरेक्ट किया है और मैथ्री मूवी मेकर्स ने प्रोड्यूस किया है. आदिक रविचंद्रन द्वारा निर्देशित और मैथ्री मूवी मेकर्स द्वारा निर्मित गुड बैड अग्ली में अजित ने एके की भूमिका निभाई है, जो एक क्राइम बॉस और एक्स क्रिमिनल है और अपने बेटे के अपहरण के बाद फिर से अपराध करने पर मजबूर हो जाता है. अजित के साथ इस फिल्म में तृषा कृष्णन, अर्जुन दास, सुनील, जैकी श्रॉफ, सयाजी शिंदे, टीनू आनंद, प्रिया प्रकाश वरियर, प्रभु, प्रसन्ना, योगी बाबू, रघु राम, रेडिन किंग्सले, राहुल देव, उषा उत्थुप और शाइन टॉम चाको जैसे कलाकार शामिल हैं.

ग्रेट ग्रैंड मस्ती की एक्ट्रेस कंगना शर्मा ने शेयर की बोल्ड फोटोज, फैंस का छूटा पसीना

बॉलीवुड की ग्लैमरस एक्ट्रेस कंगना शर्मा ने एक बार फिर अपने लेटेस्ट लुक से सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है. ग्रेट ग्रैंड मस्ती फेम कंगना ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं जिसमें वह रेड कलर की डीप नेक शिमरी ड्रेस में नजर आ रही हैं. उनकी ये फोटोज तेजी से वायरल हो रही हैं. इस तस्वीर में कंगना शर्मा का स्टाइल और कॉन्फिडेंस देखने लायक है. उन्होंने अपने लुक को गोल्ड ज्वेलरी और सटल मेकअप से कंप्लीट किया है. बालों को सॉफ्ट वेव्स में स्टाइल किया गया है, जिससे उनका ग्लैमर और भी बढ़ गया है. कंगना ने इस पोस्ट के कैप्शन में अपने आउटफिट, ज्वेलरी, स्टाइलिंग और मेकअप आर्टिस्ट का भी जिक्र किया है. फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं. एक यूजर ने लिखा, रेस्पेक्ट बटन होना चाहिए, तो किसी ने

कहा, ब्यूटी क्वीन. गौरतलब है कि कंगना शर्मा कई म्यूजिक वीडियोज और वेब सीरीज में भी नजर आ चुकी हैं और सोशल मीडिया पर अपनी बोल्डनेस और स्टाइल स्टेटमेंट के लिए जानी जाती हैं. कंगना की ये तस्वीरें इस समय इंटरनेट पर खूब वायरल हो रही हैं और फैन्स उन्हें एक बार फिर बड़े पर्दे पर देखने की मांग कर रहे हैं.

China now faces up to 245% tariff on imports:White House calls it result of retaliatory actions

Agency: The US announced that China now faces a new tariff of up to 245% due to its retaliatory measures, according to a statement by the White House on late Tuesday. The order also included explanations for the reciprocal tariffs announced on April 2. "China now faces up to a 245% tariff on imports to the United States as a result of its retaliatory actions," the White House said. "On Day One, President Trump initiated his America First Trade Policy to make America's economy great again," it said. "More than 75 countries have already reached out to discuss new trade deals. As a result, the individualised higher tariffs are currently paused amid these discussions, except for China, which retaliated," it added. Before the latest revision, a 145% tariff was being levied on Chinese exports to the United States. The US President Donald Trump had imposed reciprocal tariffs on dozens of countries with which the US has a trade deficit. Later, President Trump had decided to pause the tariffs for 90 days after many countries initiated talks with the US administration for a trade deal.

Earlier, China had ordered the country's airlines to not to take any more deliveries of jets of the American airplane manufacturer Boeing, the international news agency, Bloomberg had said in a report. The agency had quoted sources as saying that the Chinese government had also ordered the domestic carriers to stop buying all aircraft-related equipment and parts from US companies. Before that, the Xi Jinping led government had also imposed restrictions on the export of seven rare earth materials which were used across crucial industries. Additionally, the world's second biggest economy had also halted shipments of magnets at Chinese ports that were essential for assembling everything from cars and drones to

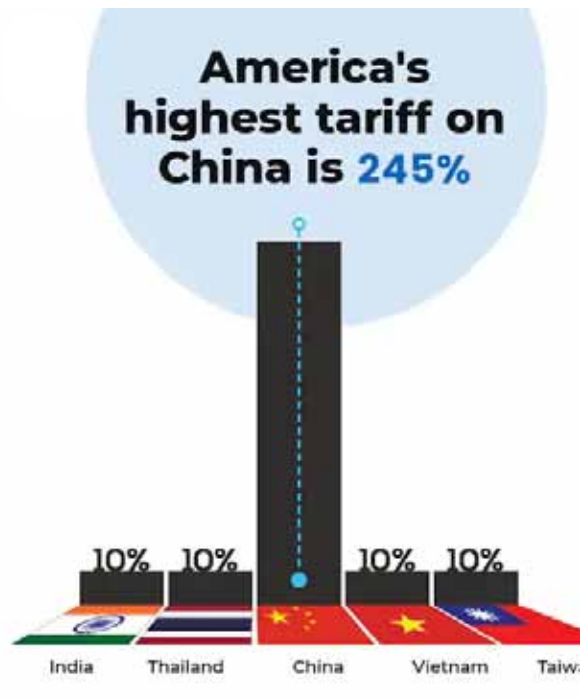

robots and missiles. Earlier on April 14, 2025, the US President Trump had termed tariff exemptions on semiconductors as fake news.

And had said on social media platform, 'Truth Social' that he would put semiconductors and the 'WHOLE ELECTRONICS SUPPLY CHAIN' under the National Security Tariff Investigations. The top Republican had added that the electronic items would be put under separate tariff bucket. The White House then stated that total additional tariffs on China imports actually stood at 245% due to all the retaliatory measures taken so far.

'Major terror plot foiled, infiltration route exposed,' say police

Agency: The four recent encounters in Jammu and Kashmir's Kathua district "exposed" the route used by terrorists to infiltrate into India from across the International Border (IB), a senior police officer said on Wednesday. Senior Superintendent of Police, Kathua, Shobhit Saxena also said the successful recovery of huge quantities of arms and ammunition, including explosives, from the terrorists after the gun fights scuttled a major plan of the terror groups to carry out a major strike in Jammu and Kashmir. Kathua district witnessed four encounters between a group of recently infiltrated terrorists and security forces in the past one month. Two heavily-armed terrorists were eliminated in Safiyan forest on March 27. Four police personnel were killed in the encounter which took place four days after police intercepted the infiltrating terrorists in Saniyal forest of Hiranagar sector. "We are chasing the remaining three-four terrorists who escaped the encounters and are on the run. We are confident of tracking and neutralising them soon," the SSP told reporters at the Rajbagh police station, where all seized material, including sophisticated weapons, explosives and daily-use items, was on display. He said a tight security grid was in place in the district, from the border villages to hinterland, leading to the successful operations against the terrorists. "The encounters exposed their traditional (infiltration) route... We will not allow them to use this route again," Saxena said. He said the recoveries showed that they had come with ill-intention and were prepared for a long stay. He said the seizure of a huge quantity of explosive material thwarted their plan to carry out Improvised Explosive Devices (IED) blasts, while some quantity of heroin suggested that they were also consuming drugs. He praised the

cooperation of the people in the anti-terrorist operations and said the "civil population helped us a lot and are providing immediate information which helped us in making an assessment about the terrorists on the run and we are accordingly planning our operations to neutralise them".

According to evidence, Saxena said terrorists had recently sneaked into this side from across the border but police "did not allow them to succeed in their nefarious designs". On local support to terrorists, he said 30 persons had been identified and booked under Public Safety Act (PSA) in the district so far. The material seized from the terrorists includes two AK assault rifles, one M4 carbine, grenades and sophisticated gadgets for navigation, clothes, sleeping bags, Pakistan-make medicines, beverages and food items.

SC starts hearing on Waqf Amendment Act

Agency: The Supreme Court on Wednesday heard multiple petitions challenging the constitutional validity of the Waqf (Amendment) Act, 2025.

It noted that undoing "waqf by user" would create several issues and sought the central government's reply to over 100 petitions challenging the Act. However, it refused to put a stay on the operation of the law. On inclusion of non-Muslim members in the Central and state Waqf boards, the apex court asked if the BJP-led Centre would "allow Muslims to be part of Hindu religious trusts". It ruled that ex-officio members could be appointed regardless of religion but others had to be Muslims. The top court noted that most of the mosques were built during 14th and 15th century and and producing a "registered deed" was impossible. "Many of the masjids are created in 14th or 15th centuries. To require them to produce a registered deed is impossible. Most of the cases, say Jama Masjid Delhi, the waqf will be waqf-by-user," CJI Sanjiv Khanna said. "If you are going to de-notify waqf-by-user properties, it will be an issue," he added. Kapil Sibal had argued that the abolition of the 'waqf by user' provision struck at the core of religious practice, asserting, "Its my integral part of religion, its recognised in Ram Janbhoomi judgment. Problem is, they will say if a waqf is created 3000 years ago, they will ask for deed."

The removal of the provision is another point of contention driving the anti-Waqf protests. Under the Waqf Act of 1954, properties could be designated as waqf if they had long been used for religious or charitable purposes, even in the absence of official documentation. The amendment does away with this classification, raising concerns and ambiguity over the legal status of many such properties. The apex court has sought clarification over non-Muslim members in the Waqf council. "Will you allow Muslims to be part of Hindu religious trusts," it asked. It said that ex-officio members could be appointed regardless of their faith but others members had

to be Muslims. According to the Act, in the Central Waqf Council, up to two of the 22 appointed (non-ex officio) members may be individuals from non-Muslim communities. State Waqf Boards may include up to two non-Muslim members among the 11 appointed (non-ex officio) positions. Addressing the anti-Waqf protests that turned violent in Bengal's Murshidabad killing three, SC said that it was "very disturbed". "Once Supreme Court is seized of the matter, this should not happen," the CJI said. Violent protests erupted in Murshidabad on April 11 over the contentious Waqf (Amendment) Act, leading to the deaths of three individuals, injuries to many others, and significant property damage. According to the West Bengal Police, 150 people have been arrested so far in connection with the violence, and security has been stepped up with heavy police deployment in affected areas such as Samserganj and Dhuliyan. The BJP-led central government recently notified the Waqf (Amendment) Act, 2025, following its passage in Parliament amid intense debates in both houses. The bill received President Droupadi Murmu's assent on April 5. It was approved in the Lok Sabha with 288 votes in favour and 232 against, while in the Rajya Sabha, it passed with 128 members supporting and 95 opposing it. However, a total of 72 petitions have been filed challenging the validity of the Act. Petitioners include AIMIM leader Asaduddin Owaisi, the All India Muslim Personal Law Board (AIMPLB), Jamiat Ulama-i-Hind, the DMK, and Congress MPs Imran Pratapgarhi and Mohammad Jawed. In response, the Centre filed a caveat in the Supreme Court on April 8, requesting to be heard before any orders are issued.

Mamata Banerjee claims Bengal violence was planned

Agency: West Bengal Chief Minister Mamata Banerjee said the violence over the Waqf law was "planned" and suggested a conspiracy by Union Home Minister Amit Shah and the BSF to allow the entry of Bangladeshi miscreants to fuel unrest in the state. In a meeting with Muslim clerics in Kolkata, the fiery Trinamool Congress chief assured them that her party was at the forefront in the fight against the Waqf law and urged them to engage in peaceful protests. "I urge the Prime Minister. He must rein in the Home Minister (Amit Shah). He is using all the agencies to plot against us. What will happen when Modi ji is not there?" Mamata said. This is not the first time that Mamata has trained her guns on Amit Shah while going soft on Prime Minister Narendra Modi. In 2022, Mamata said she didn't believe that the Prime Minister was behind the misuse of investigative agencies as CBI and ED were under the Home Ministry. Three people died and several were injured as Bengal's Murshidabad and South 24 Parganas districts witnessed widespread violence during protests over the passage of the Waqf law. Among the deceased are a father-son duo who were hacked to death by a mob in Samsherganj. The state government has announced Rs 10 lakh ex gratia for the families of the three persons who died in the violence. An initial probe into the riots

has revealed the involvement of Bangladeshi miscreants, according to a report sent to the Union Home Ministry. The districts where violence broke out border Bangladesh. Latching on to the charge, Mamata claimed that the BSF, which guards the 2,200 km Bangladesh border along Bengal, was responsible for letting miscreants in from the neighbouring country. "I saw a report that the Home Ministry said Bangladesh is involved in this (Murshidabad violence). If this is true, the Centre is responsible. BSF takes care of the border. Why did BSF not avert such a crisis?" the Chief Minister said. Calling the Waqf law BJP's "divide and rule policy", Mamata warned against the saffron party's polarisation tactics. "If you have to protest, do it peacefully. The BJP will come and incite you, but imams must play a role and diffuse it, saying we won't allow division between Hindus and Muslims," she said. Mamata also rejected the BJP's claims that the Trinamool was involved in the Waqf violence. "Had the TMC been involved in Waqf violence as claimed by the opposition, the houses of its leaders would not have been attacked," the Trinamool chief said. While the Trinamool supremo held a meeting with Muslim clerics, the BJP observed Hindu Shaheed Diwas outside the state Assembly and paid tribute to those killed in the violence.

BJP HITS BACK

Union Minister and Bengal BJP chief Sukanta Majumdar took a swipe at Mamata Banerjee after she wrongly said that West Bengal shares a border with Sri Lanka, an island nation. "According to geography expert & Failed West Bengal CM Mamata Banerjee, the state now shares a border with Sri Lanka! Move over, maps — Didi's imagination has redrawn South Asia!" Majumdar said in a post on X. He didn't stop there. "When the Chief Minister herself can't tell where her state ends and an island nation begins, is it any wonder qualified teachers are jobless while scams thrive? In Mamata's Bengal, facts are optional, logic is missing, and incompetence is a qualification," Majumdar added.

India first ATM on train launched on Mumbai Panchavati Express

Agency: For the first time, Indian Railways has introduced an ATM inside a train, allowing passengers on the Mumbai-Manmad Panchavati Express to withdraw cash during their journey. Central Railway (CR) has introduced this to make travel a little more convenient for passengers who might need cash during their journey. The ATM, provided by a private bank, is placed comfortably within an air-conditioned coach. It's installed in a small cubicle towards the back of the coach, in an area formerly occupied by a temporary pantry. To protect it and make it simple to operate as the train travels, the cubicle is equipped with a shutter door. This pilot program is about experimenting with the feasibility of having cash withdrawal facilities on rolling trains, and it could pave the way for similar services in the future if the experiment is successful. "The ATM has been put in place on board the Panchavati Express on a trial basis," said Swapnil Nila, Chief Public Relations Officer of Central Railway, as reported by PTI. Based on the outcome of this experiment, officials are contemplating taking the facility to other trains on a broader NFR (New Frontier Railways)

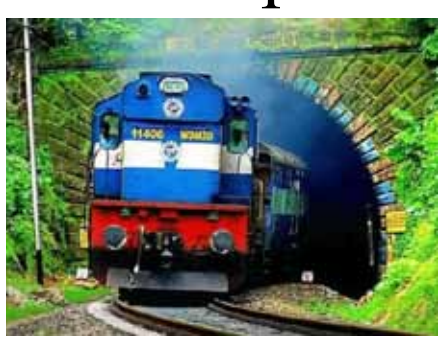

plan. In order to accommodate the ATM, the coach was modified at the Manmad Railway Workshop. Railway authorities are now monitoring their performance closely so that network connectivity remains stable along the entire route, allowing passengers to withdraw cash without a problem. The Panchavati Express is a daily running train between Chhatrapati Shivaji Maharaj Terminus (CSMT) in Mumbai and Manmad Junction in Nashik. Recognised for its timely schedule and quick journey duration, the total travel time covers around 4 hours and 35 minutes. In the event of a successful trial, more ATMS on other trains are likely to be installed by Indian Railways, making it convenient for travellers with the ability to withdraw money when on the run.

Justice BR Gavai likely to succeed Sanjiv Khanna as next Chief Justice of India

Agency: The name of Justice Bhushan R Gavai has been proposed as the next Chief Justice of India (CJI), with the Supreme Court forwarding the recommendation to the Law Ministry. The proposal came from the incumbent Chief Justice, Sanjiv Khanna, who is due to retire on May 13. As per convention, the sitting CJI recommends the senior-most judge in line as their successor. Earlier, the Law Ministry had formally requested Justice Khanna to name his successor, triggering the process of appointment. Justice Gavai, if appointed, will become the 52nd Chief Justice of India. He is likely to take the oath of the top judicial chair on May 14. However, Justice Gavai will serve as the Chief Justice of India only for six months as he is due to retire in November 2025. Justice Gavai was appointed as a judge of the Supreme Court of India on May 24, 2019. Born on November 24, 1960, in Amravati, Maharashtra, he is the son of the late RS Gavai, a noted social activist and former Governor of Bihar and Kerala. Justice Gavai began his judicial career as an Additional Judge of the Bombay High Court on November 14, 2003, and became a Permanent Judge on November 12, 2005. He served for over 15 years, presiding over benches at Mumbai, Nagpur, Aurangabad, and Panaji.

Notably, he will be the second Scheduled Caste judge to be appointed as Chief Justice of India, following the retirement of Justice KG Balakrishnan in 2010. Justice BR Gavai authored the majority opinion upholding the 2016 demonetisation scheme, affirming the Union government's power to declare currency invalid and stating that the scheme satisfied the 'test of proportionality'.

ED questions Robert Vadra on day 2

Agency: Robert Vadra, the businessman brother-in-law of Leader of Opposition in Lok Sabha Rahul Gandhi, was questioned by the Enforcement Directorate on the second straight day on Wednesday in a 2008 Haryana land deal-linked money-laundering case. He reached the ED office around 11 am accompanied by his wife Priyanka Gandhi Vadra, the Congress MP from Kerala's Wayanad. The two exchanged hugs before Robert Vadra went inside the office. Priyanka Gandhi stayed in the visitors' room at the agency's office 'Pravartan Bhawan' at APJ Abdul Kalam Road all through, and left with her husband when he

was allowed to go home for lunch around 1.10 pm. Vadra was questioned for about five hours on Tuesday and his statement was recorded by the federal probe agency under the Prevention of Money Laundering Act (PMLA), official sources said. The 56-year-old Vadra had termed the ED action "political vendetta" saying the people of the country "do not trust the probe agencies". He said he has always cooperated with investigative agencies and has furnished huge amount of documents, stressing that there needs to be a closure in cases which are as old as 20 years. The probe against Vadra is linked to a land deal in Haryana's Manesar-Shikohpur (now sector 83) in Gurugram.